मस्जिद नवाब मुकीम खान,बंगाली पंजा, नागपुर

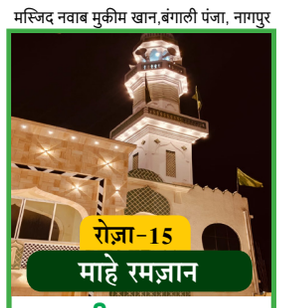

सहरी 05 : 04
इफ़्तार 06 : 29

हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 नागपुर, रविवार, 16 मार्च 2025 अंक 152/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप जोडे के दर्द से परेशान ही ?

• जोडों का दर्द • गठियावात • सन्धिशोध • सरवाइकल पेन

पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअसनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

शरद पवार ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी

दिल्ली में लगाई जाएं मराठा साम्राज्य के योद्धाओं की प्रतिमाएं

नई दिल्ली.

एसपी प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली स्थित तालकटोरा स्टेडियम में मराठा साम्राज्य के तीन महान योद्धाओं- पेशवा बाजीराव प्रथम, महादजी शिंदे और मल्हारराव होल्कर की प्रतिमाएं स्थापित करने की अनुमति देने का अनुरोध किया है. तालकटोरा स्टेडियम और उसके आसपास का इलाका 18वीं शताब्दी में मुगलों के खिलाफ मराठा अभियानों का प्रमुख केंद्र रहा है. शरद पवार ने कहा कि पुणे स्थित एक एनजीओ ने तालकटोरा स्टेडियम में पेशवा बाजीराव, महादजी शिंदे और होल्कर की प्रतिमाएं लगाने की योजना बनाई थी, लेकिन साहित्यकारों और इतिहासकारों ने तीनों योद्धाओं की घुड़सवार प्रतिमाओं के पक्ष में अपना पक्ष रखा है. उन्होंने पीएम मोदी को लिखे पत्र में कहा कि कई साहित्यकारों और शुभचिंतकों ने यह भावना व्यक्त की है कि पूर्ण आकार की घुड़सवार प्रतिमाएं उनकी वीरता और योगदान के लिए अधिक उपयुक्त श्रद्धांजलि होंगी. शरद पवार ने कहा कि तालकटोरा स्टेडियम नई दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए वह दिल्ली सरकार और एनडीएमसी को पूर्ण आकार की घुड़सवार प्रतिमाएं स्थापित करने के लिए निर्देश देने की प्रधानमंत्री मोदी से मांग कर रहे हैं. तालकटोरा स्टेडियम 98वें मराठी साहित्य सम्मेलन का स्थल भी था जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था. उन्होंने कहा कि सरहद पुणे और अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडल द्वारा आयोजित इस साहित्यिक उत्सव को आपके सम्मानित नेतृत्व में ऐतिहासिक महत्व प्राप्त हुआ.

गहराई से किया प्रभावित

शरद पवार ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में कहा कि आपके गहन और व्यावहारिक भाषण ने दुनियाभर के मराठी लोगों को गहराई से प्रभावित किया. उद्घाटन समारोह के दौरान मेरे प्रति अपने विशेष स्नेह को प्रदर्शित करने के लिए मैं आपका आभारी हूं. प्रधानमंत्री का नेतृत्व हमेशा भारत के गौरवशाली अतीत को सम्मानित करने और संरक्षित करने में सहायक रहा है.

स्वर्ण मंदिर परिसर में शख्स ने लोहे की रॉड से किया हमला, 5 घायल

चंडीगढ़/अमृतसर. पंजाब के अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में हमले की घटना सामने आई है। एक युवक ने सिख नववर्ष मना रहे पांच श्रद्धालुओं पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया।इसमें स्वर्ण मंदिर के तीन श्रद्धालु और दो सेवादार (परिचारक) सहित पांच लोग घायल हो गए। घायलों में एक श्रद्धालु और एक सेवादार समेत दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से उसे पकड़ लिया गया और पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार यह हमला स्वर्ण मंदिर परिसर में श्री गुरु रामदास सराय में हुआ। इस घटना के बाद स्वर्ण मंदिर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को अलर्ट किया गया है। पुलिस ने चेकिंग बढ़ा दी है।

पंजाब पुलिस के अमृतसर में तैनात एसीपी जसपाल सिंह ने बताया कि हरियाणा के यमुना नगर निवासी जुल्फान नामक व्यक्ति गुरु रामदास सराय (कॉम्प्लेक्स) की दूसरी मंजिल पर चढ़ गया। उसके हाथ में लोहे की रॉड थी। जब एक कर्मचारी ने उसे रोकने की कोशिश की, तो उसने कर्मचारी जसबीर सिंह पर हमला कर दिया। जब श्रद्धालुओं और अन्य कर्मचारियों ने उसे रोकने की कोशिश की, तो उसने उन पर भी हमला कर दिया। उन्होंने जुल्फान को पुलिस के हवाले कर दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है। इस मामले में आगे की जांच जारी है। आरोपी से पूछताछ भी की जा रही है। इसके अलावा उसक पिछला रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के सचिव प्रताप सिंह ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे एक हमलावर श्री गुरु रामदास निवास में घुसा और श्रद्धालुओं और सेवादारों पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में मोहाली, बठिंडा और पटियाला के एक-एक श्रद्धालु और दो सेवादार घायल हो गए। उन्होंने आगे बताया कि घायलों को तुरंत इलाज के लिए वल्लाहा में एसजीपीसी द्वारा संचालित श्री गुरु रामदास अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि सिर में चोट लगने से बठिंडा के एक सेवादार और एक श्रद्धालु की हालत गंभीर है।

होली के दौरान दो समुदायों के बीच झड़प

घोरथंबा इलाके में वाहनों में लगाई आग

रांची.

झारखंड के गिरिडीह जिले में शुक्रवार को होली जुलूस के दौरान दो समूहों के बीच झड़प हो गई। घटना में कई लोग घायल हो गए। इसके अलावा, कम से कम तीन दुकानों और वाहनों में कथित तौर पर आग लगा दी गई। पुलिस के अनुसार, घटना घोरथंबा में उस समय हुई जब एक समूह ने होली के जुलूस का इलाके से गुजरने का विरोध किया, जिसके बाद झड़प हो गई और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पथराव किया। गिरिडीह एसपी डॉ. बिमल ने कहा कि हम दोनों समुदायों की पहचान कर रहे हैं। इसके अलावा, लोगों की भी पहचान की जा रही है। पहचान होने के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और किसी को कोई बड़ी चोट नहीं आई है। उन्होंने बताया कि झड़प के दौरान कुछ वाहनों में आग भी लगाई गई। वहीं, खोरीमहुआ एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि इलाके में शांति बहाल करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। मामले पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसके अलावा, उप विकास आयुक्त स्मिता कुमारी ने कहा कि होली समारोह के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश की, लेकिन अब स्थिति नियंत्रण में है। जानकारी के अनुसार, कुछ असामाजिक तत्वों ने कुछ वाहनों में आग लगाई है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

बीजेपी नेता की गोली मारकर हत्या

हरियाणा.

सोनीपत में बीजेपी नेता की पड़ोसी ने गोली मारकर हत्या कर दी. बताया जाता है कि हत्याकांड को जमीनी विवाद के चलते अंजाम दिया गया है. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है. जानकारी के मुताबिक मृतक बीजेपी नेता की पहचान मुंडलाना मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र जवाहरा के रूप में हुई है. हत्या को देर रात साढ़े 9 बजे गांव जवाहरा में अंजाम दिया गया. बताया जाता है कि बीजेपी नेता ने पड़ोसी के बुआ की जमीन खरीदी थी. जिसको लेकर विवाद चल रहा था. आरोपी ने कुछ दिन पहले बीजेपी नेता को जमीन पर कदम नहीं रखने की चेतावनी भी दी थी. पुलिस ने बताया कि सोनीपत में बीजेपी नेता की शुक्रवार देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई. हत्या को जमीनी विवाद के चलते अंजाम दिया गया. जानकारी सामने आई है कि बीजेपी नेता ने आरोपी के बुआ की जमीन खरीदी थी. इसको लेकर बीजेपी नेता की कई बार आरोपी से कहासुनी भी हुई थी. वहीं, शुक्रवार की रात में जब बीजेपी नेता जमीन पर बुवाई करने के लिए गए तो आरोपी भी पहुंच गया और दोनों के बीच विवाद हो गया. इसके बाद बीजेपी नेता वहां से चले आए. वहीं, जब वह अपनी शॉप पर बैठे थे, तभी आरोपी दुकान पर पहुंचा और बंदूक से गोली मारकर हत्या कर दी. जिसका सीसीटीवी भी सामने आया है.

चिनहट में अवैध रूप से रहने वाली 10 विदेशी महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 10 विदेशी महिलाओं को अवैध रूप से आवासीय फ्लैटों में रहते हुए पाया गया। यहां चिनहट क्षेत्र में आवासीय फ्लैटों में अवैध रूप से रहते हुए पाए जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि बुधवार रात को चिनहट के मल्हौर इलाके में मौजूद शक्ति हाइट्स अपार्टमेंट में पुलिस ने छापेमारी की। इसके बाद पता चला कि अधिकारियों को उचित सूचना दिए बिना अपार्टमेंट में विदेशी महिलाओं को रखा जा रहा था। इस घटना के बाद अपार्टमेंट के मालिक से पुलिस ने संपर्क किया।

वह भी पुलिस के सामने कोई विवरण प्रस्तुत नहीं कर सका। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जांच में यह मालूम हुआ है कि सभी विदेशी महिलाएं थाईलैंड की रहने वाली हैं। ये सभी महिलाएं छह अलग-अलग अपार्टमेंट में रह रही थीं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार ये विदेशी महिलाएं यहां रहने के बारे में संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे पाईं। इस दौरान केवल एक महिला ने पुलिस को किराए पर रहने के दस्तावेज की एक प्रति उपलब्ध कराई।

वहीं विदेशी महिलाओं के पाए जानें के मामले में पुलिस द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक अपार्टमेंट के मालिक शक्ति सिंह से संपर्क किया गया। उन्हें विदेशी निवासियों के बारे में दस्तावेज और जानकारी प्रदान करने का निर्देश दिया गया। हालांकि, वह किराए के समझौते प्रस्तुत करने, फॉर्म सी (विदेशी पंजीकरण नियम 14 के तहत आवश्यक) को पूरा करने या महिलाओं के ठहरने के उद्देश्य के बारे में विवरण देने में विफल रहा। पुलिस ने मामले के संबंध में शक्ति सिंह और कुछ अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

पश्चिम बंगाल के बीरभूम में दो गुटों के बीच झड़प

इंटरनेट सेवाएं हुईं सस्पेंड

कोलकाता.

पश्चिम बंगाल में दो गुटों में हिंसक झड़प हुई है. पुलिस के अनुसार, शुक्रवार दोपहर में बीरभूम के सैथिया में दो गुटों के बीच एक मौखिक विवाद के कारण झगड़ा हुआ. एक गुट के लोग कथित तौर पर नशे में थे, जिसके कारण विवाद हुआ. दोनों समूहों में हाथापाई हुई और एक-दूसरे पर पत्थरबाजी की गई. हालात बिगड़ते देख मौके पर पुलिस बल को भेजा गया. पुलिस के अनुसार, आगजनी की कोई खबर नहीं है और 20 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है. फर्जी सूचनाओं को फैलने से रोकने के लिए सैंथिया शहर और पांच ग्राम पंचायतों तथा उसके आसपास के इलाकों में इंटरनेट सेवा सस्पेंड की गई है. अधिकारियों ने बताया कि अफ़वाहों और गैरकानूनी गतिविधियों को फैलने से रोकने के लिए पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के सैंथिया शहर के कम से कम पांच ग्राम पंचायत क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं. यह बंद 14 मार्च (शुक्रवार) से 17 मार्च (सोमवार) तक प्रभावी रहेगा. पश्चिम बंगाल सरकार के गृह और हिल अफेयर्स विभाग के प्रधान सचिव द्वारा ने इंटरनेट और कॉल सेवाओं को निलंबित करने के पीछे "अवैध गतिविधियों के लिए अफ़वाहों" का हवाला दिया गया है. इस बीच, बीरभूम में पथराव की घटना की रिपोर्ट के बाद प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात किया गया है. इस बीच, बीरभूम में पथराव की घटना की खबरों के बाद प्रभावित इलाकों में पुलिस बल तैनात कर दिए गए हैं. डेटा संबंधी संदेश आदेश में कहा गया है, "सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अपराध के लिए उकसावे को रोकने के हित में अस्थायी रूप से संदेशों का प्रसारण नहीं किया जाएगा." आदेश में आगे कहा गया है कि वॉयस कॉल या एसएमएस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जा रहा है. इसी तरह, समाचार पत्रों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है. प्रतिबंध सैंथिया, हटोरा ग्राम पंचायत (जीपी), मठपालसा जीपी, हरिसरा जीपी, दरियापुर जीपी और फुलुर जीपी में लगाया गया है.

सेंट्रल बैंक में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

अमरावती. जिले के चांदुर रेलवे में स्थित सेंट्रल बैंक में अचानक आग लग गई. इससे बैंक में रखी लाखों की नकदी और जरूरी दस्तावेज जलकर खाक हो गए. जानकारी के मुताबिक, बैंक खुलने के कुछ समय बाद ही एयर कंडीशनर में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी. आग इतनी भीषण थी कि पूरी बैंक परिसर को उसने अपनी चपेट में ले लिया. आग लगते ही बैंक कर्मचारी घबराकर बाहर निकल गए, जिससे कोई जानमाल की हानि नहीं हुई. आग की खबर मिलते ही चांदुर रेलवे के दमकल दल ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी भयंकर थी कि उसे काबू करना मुश्किल हो रहा था. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए धामणगांव और तीवसा अमरावती नगर निगम से भी दमकल की गाड़ियां बुलाई गईं. बैंक में लगी आग को देखकर स्थानीय नागरिकों की भारी भीड़ जमा हो गई. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को भी मोर्चा संभालना पड़ा. चांदुर रेलवे पुलिस स्टेशन के थानेदार अजय आखिरी ने बताया कि बैंक का पूरा सामान जलकर राख हो गया है.

शिवसेना नेता की हत्या मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

मोगा. पंजाब के मोगा में शिवसेना नेता मंगतराम की हत्या मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. उनके पास से हथियार भी बरामद हुए हैं. मुठभेड़ में 3 आरोपियों को गोली लगी थी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. आरोपियों को अरेस्ट करने पहुंची पुलिस की टीम पर गोलीबारी की गई. सीआईए मोगा और सीआईए मलौट ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जॉइंट ऑपरेशन चलाया था. मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों को उनके ठिकानों पर घेर लिया. खुद को घिरा देख आरोपियों ने पुलिस की टीम पर फायरिंग शुरू कर दी. आरोपियों ने पुलिस की टीम पर तीन गोलियां दाग दीं. 0.32 पिस्तौल से दो गोलियां और 0.30 पिस्तौल से तीन गोलियां चलाई. जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग शुरू कर दी और चार गोलियां चलाईं. पुलिस की इस जवाबी कार्रवाई में अरुण उर्फ दीपू के बाएं पैर में गोली लग गई.अरुण उर्फ सिंघा के दाहिने पैर में गोली लगी. वहीं भागने की कोशिश के दौरान राजवीर उर्फ लाडो भी घायल हो गया.तीनों आरोपियों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल मलोट में भर्ती कराया गया है. शिवसेना नेता मंगलराम की हत्या के मामले में आरोपियों के खिलाफ धारा 103 (1), 191 (3), 190 बीएनएस और 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज एफआईआर दर्ज की गई थी.उनको पकड़ने के लिए संयुक्त अभियान भी चलाया गया था. मृतक के परिवार और हिंदू संगठनों ने शुक्रवार शाम को आरोपियों को गिरफ्तारी की मांग.

मुंगेर हमले में घायल एएसआई की मौत

पटना. बिहार के मुंगेर में एएसआई के हमलावर का एनकाउंटर हुआ है. एक आरोपी गुड्डू यादव गाड़ी पलटने के बाद भागने की कोशिश कर रहा था और इस दौरान पुलिसकर्मियों से हथियार छीनने की कोशिश की जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की और आरोपी के पैर में गोली लगी. दरअसल पुलिस टीम जब मुख्य आरोपी के पकड़ने जा रही थी तो तभी हादसा हो गया और मुफ्फसिल थाना की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई. हादसे में एसएचओ समेत चार लोग घायल हो गए. हादसे के बाद गिरफ्तार गुड्डू यादव ने सिपाही का हथियार छीन लिया जिसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस ने गोली चलाई जो अपराधी के पैर में लगी है. आरोपी का इलाज फिलहाल सदर अस्पताल में चल रहा है. दरअसल शुक्रवार को एएसआई संतोष सिंह एक शिकायत मिलने के बाद विवाद सुलझाने के लिए पुलिस टीम के साथ मुंगेर के नंदलालपुरा इलाके में पहुंचे थे. वहां दो परिवारों में झगड़े की खबर थी.

जानकारी मिलने के बाद एएसआई संतोष कुमार अपनी टीम लेकर दोनों पक्षों से बात करने पहुंचे थे. इसी दौरान विवाद बढ़ा तो तभी किसी अज्ञात शख्स ने एएसआई संतोष कुमार पर तेज धार वाले हथियार से सिर पर हमला कर दिया. हमले में एएसआई संतोष गंभीर रूप से जख्मी हो गए. हालत ऐसी हो गई कि उन्हें पटना रेफर करना पड़ा. लेकिन एएसआई को बचाया नहीं जा सका और उनकी मौत हो गई. संतोष कुमार की मौत के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश तेज कर दी थी. इस दौरान पुलिस ने एक आरोपी को अरेस्ट कर लिया और गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर पुलिस मुख्य आरोपी को अरेस्ट करने जा पहुंची.

कार खाई में गिरने से 2 की मौत

देहरादून. विकासनगर के चकराता क्षेत्र में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया. लोखंडी के पास एक कार अनियंत्रित होकर करीब 900 मीटर गहरी खाई में गिर गई. इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. शनिवार को चार लोग कार में सवार होकर चकराता के लोखंडी क्षेत्र से गुजर रहे थे. इसी दौरान तेज रफ्तार के कारण वाहन चालक का नियंत्रण खो गया और कार सीधी खाई में जा गिरी. यह इलाका बेहद दुर्गम और खतरनाक है, जहां सड़कों की स्थिति भी ठीक नहीं है. हादसे की जानकारी मिलते ही एसडीआरएफ की टीम मुख्य आरक्षी राजेश कुमार के नेतृत्व में तुरंत मौके पर पहुंची टीम ने आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के साथ बचाव कार्य शुरू किया. जिला पुलिस के सहयोग से बचाव दल ने खाई में उतरकर घायलों को सुरक्षित निकालने का प्रयास किया. काफी मशक्कत के बाद दो घायलों को निकालकर अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है. वहीं, दो अन्य व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई थी. एसडीआरएफ और पुलिस की टीम ने मृतकों के शव खाई से निकालकर सड़क तक पहुंचाए. इसके बाद उन्हें आवश्यक कानूनी कार्यवाही के लिए जिला पुलिस को सौंप दिया गया.

कार चालक को अचानक आया हार्ट अटैक

10 गाड़ियों को मारी टक्कर, 3 की मौत

पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में खुलासा

कोल्हापुर.

महाराष्ट्र के कोल्हापुर में शनिवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जब एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर कम से कम 10 गाड़ियों से टकरा गई. इस दुर्घटना में कार चालक की मौत हो गई. हादसे की वजह चालक को आया दिल का दौरा बताया जा रहा है.

जानकारी के अनुसार, 55 साल के धीरज पाटिल अपनी एमजी विंडसर कार चला रहे थे, एक फ्लाईओवर के पास पहुंचते ही उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ गया, जिससे उनका वाहन पर से नियंत्रण हट गया. बेकाबू हुई कार ने एक ऑटो-रिक्शा, एक कार, एक दोपहिया वाहन और कई अन्य गाड़ियों को जोरदार टक्कर मार दी. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि कई वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए.

हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. आसपास के लोगों और पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया. इस भयावह दुर्घटना की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसमें दिख रहा है कि एक तेज रफ्तार कार अचानक अन्य वाहनों से टकराने लगती है. टक्कर के बाद सड़क पर वाहनों का मलबा बिखर गया और कई लोग बाल-बाल बचे.

पुलिस ने बताया कि धीरज पाटिल अपने दफ्तर की ओर जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि हादसे से पहले ही उन्हें दिल का दौरा पड़ा था, जिससे उनका वाहन अनियंत्रित हो गया. हालांकि, टक्कर के दौरान किसी अन्य व्यक्ति की जान जाने की सूचना नहीं है, लेकिन कई वाहन मालिकों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है.

नासा के अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी के लिए सपकेक्स ने शुरू किया मिशन

नई दिल्ली. राष्ट्रिय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के धरती पर सुरक्षित वापस लौटने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। उनके साथ बुच विल्मोर भी धरती पर नौ महीने बाद लौटेंगे। दोनों को लाने के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष यान आज तड़के (भारतीय समयानुसार) रवाना हो गया है। इससे पहले एक बयान में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा है कि दोनों अंतरिक्ष यात्री 19 मार्च से पहले अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से रवाना हो जाएंगे। नासा-स्पेसएक्स क्रू-10 को अमेरिकी समयानुसार 14 मार्च की शाम 7.03 बजे से लॉन्च किया गया। सफल प्रक्षेपण के बाद सुनीता विलियम्स और विल्मोर की धरती पर वापसी की उम्मीदें बढ़ गई हैं। गौरतलब है कि अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से वापसी गुरुवार को टल गई थी। नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होने से करीब एक घंटे पहले क्रू-10 मिशन को एक बार फिर टाल दिया गया था। बताया गया कि स्पेसएक्स के फैल्कन 9 रॉकेट में ग्राउंड सपोर्ट क्लैंप आर्म के साथ हाइड्रॉलिक सिस्टम समस्या के कारण लॉन्चिंग को रद्द कर दिया गया था। 5 जून 2024 को नासा का बोइंग क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन लॉन्च किया गया था।

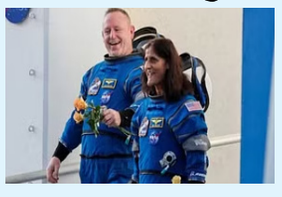

मुंबई और कराची के बीच विदेशी दौलत में इजाफा

नई दिल्ली.

होली के दिन भारत से लेकर पाकिस्तान तक गुड न्यूज सुनने को मिल रही है. दोनों देशों के फॉरेक्स रिजर्व में जबरदस्त इजाफा देखने को मिला है. जहां एक ओर भारत के फॉरेक्स रिजर्व में साढ़े पांच महीने के बाद एक दिन में सबसे बड़ी बढ़ोतरी देखने को मिली है. वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान की विदेशी दौलत में भी इजाफा देखने को मिला है.आंकड़ों के अनुसार देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 15 अरब डॉलर से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है. जिसके बाद देश की विदेशी दौलत 650 अरब डॉलर के पार चली गई है. जानकारों की मानें तो

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा आगे भी देखने को मिल सकता है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश के फॉरेक्स रिजर्व कितनी तेजी देखने को मिली है. रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 7 मार्च को खत्म हुए समाप्त सप्ताह में फॉरेन करेंसी असेट्स में 13.93 अरब डॉलर इजाफा होकर घटकर 557.28 अरब डॉलर हो गया है. पिछले हफ्ते असेट्स में 49.3 करोड़ डॉलर कीी गिरावट देखने को मिली थी और आंकड़ा कम होकर 543.35 अरब डॉलर रह गया था. वहीं दूसरी ओर गोल्ड रिजर्व में इजाफा देखने को मिला है. आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार गोल्ड रिजर्व में 1.05 अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिला है और आंकड़ा 74.32 अरब डॉलर पर पहुंच गया है.

देश के फॉरेक्स रिजर्व में रिकॉर्ड इजाफा

❑ आरबीआई की वेबसाइट के अनुसार 7 मार्च को खत्म हुए समाप्त सप्ताह में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 15.27 अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिला है. जिसके बाद देश का विदेशी मुद्रा भंडार 653.966 अरब डॉलर हो गया है. इससे पहले वाले सप्ताह में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 1.78 अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिली थी और आंकड़ा 638.69 अरब डॉलर हो गया था. खास बात तो ये है कि देश के विदेशी मुद्रा भंडार में करीब साढ़े 5 महीने के बाद एक दिन में इतना इजाफा देखने को मिला है.

सेंसेक्स दिसंबर तक 1 लाख पॉइंट को छू सकता है

मॉर्गन स्टेनली का अनुमान

नई दिल्ली.

स्टॉक मार्केट में गिरावट का दौर जारी है, बाजार संभलकर फिर टूट रहा है. ऐसे में अगर कोई ये कहे कि सेंसेक्स 1 लाख पॉइंट को पार कर जाएगा, तो आपको लगेगा बकवास ही कर रहा है. लेकिन अनुमान तो कुछ ही इस तरह के दिख रहे हैं कि दिसंबर 2025 तक सेंसेक्स 1 लाख पॉइंट को पार कर जाएगा. शेयर बाजार में जब पहली बार अक्टूबर-नवंबर 2024 में गिरावट शुरू हुई थी. तब किसी को अनुमान नहीं था कि सेंसेक्स 1 लाख पॉइंट के पार जाएगा. फिर भी बाजार ने रफ्तार पकड़ी और दिसंबर की शुरुआत में ही 6% का तगड़ा रिटर्न दे दिया.

देश की इकोनॉमी के मैक्रोइकोनॉमिक्स की स्टेबिलिटी और अच्छे कैश फ्लो को देखते हुए ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने उम्मीद जताई कि दिसंबर 2025 तक सेंसेक्स 1,05,000 पॉइंट को टच कर जाएगा. ये अनुमान तब का है जब डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ नहीं ली थी. अमेरिका ने टैरिफ वॉर नहीं छेड़ा था और ना ही भारत की इकोनॉमी पर ट्रंप के फैसलों का प्रभाव पड़ना शुरू हुआ था. डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनते ही ताबड़तोड़ फैसले लेने शुरू किए.भारत को दबाव में कई तरह के टैरिफ करने पर विचार करना पड़ रहा है.अमेरिका को मोस्ट फेवर्ड नेशन स्टेटस देने पर भी विमर्श चल रहा है.इस बीच शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों (एफपीआई) ने तेजी से निकासी की है और भारतीय शेयर बाजार ने फरवरी में 30 साल की सबसे बड़ी गिरावट का स्तर छुआ है.

इन सबकी पृष्ठभूमि में क्या 1 लाख पॉइंट तक पहुंचना मुमकिन है ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि भारतीय शेयर बाजार की रिस्क झेलने की क्षमता का उसे रिवॉर्ड मिलेगा. दिसंबर 2025 तक सेंसेक्स 93,000 पॉइंट के लेवल तक तो आराम से पहुंच सकता है. ये मौजूदा लेवल से करीब 25 प्रतिशत अप होगा. हालांकि अगर जोखिम फैक्टर एक हद से ज्यादा पहुंच जाता है, तब मॉर्गन स्टेनली के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में शेयर बाजार के दिसंबर 2025 तक 70,000 पॉइंट पर आने की आशंका भी है. ये अभी के स्तर से करीब 6 प्रतिशत नीचे होगा. हालांकि भारत को लेकर मार्गन स्टेनली के इंडिया रिसर्च हेड रिद्धम देसाई का कहना है कि अब मार्केट अपने बॉटम लेवल पर आ चुका है और यहां से ऊपर उठने की तैयारी करेगा. सिर्फ कोई ग्लोबल मंदी ही मार्केट को इस साल नीचे रख सकती है.

डिजिटल क्रांति और इकोनॉमिक ग्रोथ से शेयर बाजार जीतेगा?

नई दिल्ली. सोने ने बीते कुछ सालों में सेफ, स्थिर और बेहतर रिटर्न दिया है. कोविड के बाद से ही स्टॉक मार्केट में जितना अच्छा बुल रन (तेजी का दौर) देखा गया, उतना ही खतरनाक बीयर स्लंप (गिरावट का रुख) भी देखने को मिला है. ऐसे में क्या सोना आगे भी बढ़िया रिटर्न देता रहेगा या स्टॉक मार्केट उसे पछाड़ देगा? देश की टॉप म्यूचुअल फंड कंपनियों में से एक एडेलवाइस म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आने वाले 3 साल में स्टॉक मार्केट का रिटर्न सोने के रिटर्न को मात दे देगा. इस रिपोर्ट में शेयर बाजार के आउट परफॉर्म करने की वजह भी बताई गई है. रिपोर्ट में अंडरलाइन किया गया है कि जहां सोना हमेशा से सुरक्षित निवेश का ऑप्शन रहा है. अनिश्चितता के समय इसमें निवेश बढ़ता है और रिटर्न भी बेहतर होता है. वहीं शेयर बाजार का रिटर्न बहुत हद तक इकोनॉमिक ग्रोथ पर डिपेंड करता है. इस वजह से स्टॉक मार्केट एक बेहतर निवेश विकल्प बन जाता है. साल 1991 के दौर में जब भारत की इकोनॉमी ग्लोबलाइजेशन के दौर में आई तब शेयर मार्केट में नए इनोवेशन होने शुरू हुए. उस दौर में मार्केट के लूप होल्स ढूंढकर लोगों ने तेजी से पैसा कमाया. (हर्षद मेहता, राकेश झुनझुनवाला, राधाकिशन दमानी और केतन पारेख जैसे नाम उसी दौर में चर्चा में आए). इस इकोनॉमिक एक्सपेंशन की वजह से ही SEBI को मजबूती मिली और फिर ये इंवेस्टर्स की सबसे बड़ी प्रोटेक्टर संस्था बनकर सामने आई. इसके बाद 2008 की मंदी का दौर याद कीजिए. ग्लोबल इकोनॉमी के धराशायी होने के बावजूद इंडियन इकोनॉमी में डिमांड बनी रही. हालांकि उस साल सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट क्रैश देखने को मिला, लेकिन 2009 में ही सेंसेक्स ने रिकवरी कर ली. ईटी की एक खबर के मुताबिक साल 2000 के बाद 2009 लोगों के लिए रिटर्न के लिहाज से सबसे बढ़िया साल रहा. ये वो दौर था जब इंडियन कॉरपोरेट्स ने अपनी ग्लोबल पहचान बनानी शुरू की. टाटा ग्रुप ने कोरस और जगुआर लैंड रोवर जैसी कंपनियों के अधिग्रहण इसी दौर में किए. ये भारतीय इकोनॉमी का नया एक्सपेंशन था और शेयर बाजार ने वैसा ही रिटर्न दिया. फिर 2020 के बाद कोविड के आए दौर को देखें. इस दौरान डिजिटल क्रांति आई और इस सेगमेंट में काम करने वाली कंपनियों का ना सिर्फ विकास हुआ, बल्कि उनकी कमाई भी बढ़ी. रिलायंस जियो इसका सबसे बढ़िया उदाहरण है. वहीं डिजिटल टेक कंपनियों के लगातार आए आईपीओ ने मार्केट को बुलिश बनाए रखा. वहीं लॉकडाउन खुलने के बाद लोगों के अंदर घूमने से लेकर बाहर खाने तक का क्रेज बढ़ा, जिससे रिटेल इंडस्ट्री ने ग्रोथ के नए पैरामीटर सेट किए.

ईपीएफओ से आंशिक निकासी के नियम

नई दिल्ली.

ईपीएफओ की ओर से चलाई जाने वाली सोशल सिक्योरिटी स्कीम प्रॉविडेंड फंड रिटायरमेंट फंड को तैयार करता है जो आपके इमरजेंसी में आर्थिक मदद करता है. पीएफ अकाउंट पर आपको आंशिक निकासी की सुविधा भी देता है. जिससे आप कई उद्देश्यों के लिए इसमें जमा पैसों में से पैसे निकाल सकते हैं. जैसे कि आपको लोन के पैसे भरने है तो इसके लिए भी आप पीएफ से पैसा निकाल सकते हैं.

लेकिन इसको लेकर कई तरह के नियम भी बनाए गए है. इसमें यह भी शामिल है कि आप किस वजह के लिए कितनी बार पैसे निकाल सकते

हैं. अगर आपको भी पीएफ से पैसे निकालने हैं तो आपको भी कुछ शर्तों के बारे में पता होना चाहिए. अगर आपकी शादी है और आपको कई बार पैसे निकालने कि जरूरत पड़ती है तो क्या आप पैसे निकाल सकते हैं. चलिए आपको इसके बारे में विस्तार से बताते हैं.

पीएफ सब्सक्राइबर्स एक अवधि पूरी करने के बाद आंशिक निकासी के पात्र भी हो जाते हैं. जैसे ईपीएफओ के पैसे से आपको घर बनाना है, लोन चुकाना है या फिर विशेष बीमारियों के इलाज के लिए आपको या फिर परिवार के सदस्य की शादी के लिए आंशिक निकासी की इजाजत होती है. इसके अलावा भी आप अन्य कारणों से भी पैसे निकाल सकते हैं. जानकारी के लिए बता दें, कि ईपीएफओ भले ही आपको कई कारणों से आंशिक निकासी की सुविधा देता है, लेकिन इसपर भी कई शर्तें है.

कई कारणों के लिए आपको बस एक बार ही निकासी करने की अनुमति होती है. लेकिन कुछ -कुछ मामलों में आपको एक से बार भी पैसे निकालने की सुविधा मिलती है. यानी कि आप एक ही काम के लिए एक से अधिक बार पैसे निकाल सकते हैं. अगर आप भाई-बहन या बेटे-बेटी की शादी के लिए पीएफ से पैसा निकालना चाहते हैं तो आप तीन बार आंशिक निकासी कर सकते हैं. लेकिन आप पैसे तभी निकाल सकते हैं जब आपके पीएफ अकाउंट को खुले 7 साल हो चुके हैं.

होली पर ओला इलेक्ट्रिक की सौगात

नई दिल्ली.

ओला इलेक्ट्रिक ने होली के मौके पर अपने एस1 रेंज के इलेक्ट्रिक स्कूटर पर फ्लैश सेल की घोषणा की है. इसके तहत कस्टमर्स एस1 एयर पर 26,750 रुपये और एस1 एक्स+ (जनरेशन 2) पर 22,000 रुपये तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं. इन मॉडलों की कीमत क्रमशः 89,999 रुपये और 82,999 रुपये से शुरू होती है. यह फ्लैश सेल 13 मार्च से 17 मार्च तक लिमिटेड समय के लिए है.

इसी के साथ ओला अपनी एस1 रेंज के बाकी स्कूटरों पर भी 25,000 तक की छूट भी दे रही है, जिसमें एस1 जेन3 रेंज के सभी स्कूटर शामिल हैं. बता दें कि इस डिस्काउंट के बाद इनकी कीमत 69,999 रुपये से 1,79,999 रुपये के बीच होगी. इसके अलावा,

ओला 10,500 रुपये तक का भी छूट दे रही है. यानी कि एस1 जेन2 स्कूटर को खरीदने वाले नए कस्टमर्स एक साल के लिए मुफ्त मूव ओएस + का लाभ उठा सकेंगे. इसके अलावा, 14,999 रुपये की एक्सटेंडेंट वारंटी 7,499 रुपये में मिलेगी. ओला के जनरेशन 3 पोर्टफोलियो में एस1 प्रो+ 5.3के डब्ल्यूएच और 4के डब्ल्यूएच शामिल हैं जिनकी कीमत क्रमशः 1,85,000 रुपये और 1,59,999 रुपये है. जेनरेशन 2 के स्कूटर भी एस1 एक्स (2के डब्ल्यूएच, 3के डब्ल्यूएच, और 4के डब्ल्यूएच) बैटरी ऑप्शंस के साथ उपलब्ध5 हैं, जिनकी शुरुआती कीमत 1,49,999 रुपये, 84,999 रुपये, 97,999 रुपये, और 1,14,999 रुपये है. बता दें कि इससे पहले ओला ने कहा था कि कंपनी ने कहा था कि उनकी कॉस्ट कटिंग प्रोग्राम से ही महीने 90 करोड़ रुपये की बचत होगी और 2025-26 की पहली तिमाही के लिए इ बीआइटीडीए ब्रेक-ईवन हासिल करने में मदद मिलेगी.

हाईब्रिड म्यूचुअल फंड कैसे काम करता है ?

नई दिल्ली. निवेश की दुनिया में हाईब्रिड म्यूचुअल फंड एक महत्वपूर्ण विकल्प बन चुका है, खासकर उन निवेशकों के लिए जो संतुलित रिटर्न और नियंत्रित जोखिम चाहते हैं. यह फंड इक्विटी और डेट इंस्ट्रूमेंट्स के मिश्रण से बना होता है, जिससे निवेशकों को दोनों एसेट क्लास का लाभ मिलता है. हाईब्रिड म्यूचुअल फंड मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं आक्रामक और संतुलित. आक्रामक हाईब्रिड फंड में 65-80% निवेश इक्विटी में किया जाता है, जबकि बाकी हिस्सा डेट इंस्ट्रूमेंट्स में जाता है. संतुलित फंड में इक्विटी और डेट का अनुपात अधिक संतुलित होता है, जिससे जोखिम कम रहता है. यह फंड उन निवेशकों के लिए आदर्श होता है जो बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाव चाहते हैं लेकिन इक्विटी का लाभ भी उठाना चाहते हैं. जब बाजार तेजी में होता है, तब इक्विटी पोर्टफोलियो अच्छे रिटर्न देता है, जबकि गिरावट के समय डेट इंस्ट्रूमेंट्स एक सुरक्षा कवच का काम करते हैं निवेशकों के लिए सबसे अच्छा तरीका है कि वे हाईब्रिड म्यूचुअल फंड में एसआईपी के माध्यम से निवेश करें. मासिक एसआईपी के जरिए निवेश करने से बाजार की अस्थिरता का प्रभाव कम होता है. साथ ही, यदि निवेशक हर साल 8-10% का एसआईपी टॉप-अप करते हैं, तो लंबे समय में यह निवेश बड़ा फंड बना सकता है.

एचडीएफसी बैंक और सेना ने वेटरन्स के लिए पेंशन और सेवाएं बढ़ाई

नई दिल्ली. भारत के प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक, भारतीय सेना और सीएससी ई-गवर्नेंस ने भारतीय आर्मी वेटरन्स के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 'प्रोजेक्ट नमन' को 26 नए स्थानों पर विस्तार करने का ऐलान किया है। इस समझौता ज्ञापन के तहत वेटरन्स और उनके परिवारों को पेंशन, सरकारी सेवाएं और अन्य नागरिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी. यह परियोजना, जिसे पहले 14 डीआईएवी स्थानों पर लॉन्च किया गया था, अब राजस्थान, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, मेघालय, बिहार, ओडिशा और नई दिल्ली जैसे 26 प्रमुख स्थानों पर लागू होगी। इसके तहत कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से वेटरन्स को वित्तीय सेवाएं, कौशल विकास, और रोजगार अवसर प्रदान किए जाएंगे।एचडीएफसी बैंक, भारतीय सेना और सीएससी अकादमी के बीच यह समझौता वेटरन्स को वित्तीय स्वतंत्रता देने और उनके परिवारों को एक मजबूत आर्थिक समावेशिता प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है। इसके साथ ही, परियोजना के तहत सीएससी केंद्रों का संचालन करने वालों को पहले 12 महीनों के लिए वित्तीय अनुदान भी दिया जाएगा। एचडीएफसी बैंक अपने 'परिवर्तन' कार्यक्रम के तहत रक्षा सेवा के वेटरन्स और उनके परिजनों के लिए आर्थिक समावेशिता के निर्माण में सहायता करता है।

शेफ हरपाल ने दिखाई रंगीन ठंडाई बनाने की कला

मुंबई.

इस होली, गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप (जीआईजी) के स्वामित्व वाले मीडिया प्लेटफॉर्म गोदरेज विक्रोली कुकिना ने सेलिब्रिटी शेफ हरपाल सिंह सोखी के साथ मिलकर एक खास त्योहारी स्वाद पेश किया है। एक विशेष इंस्टाग्राम वीडियो में, शेफ हरपाल ने गोदरेज जर्सी मिल्क का उपयोग करके बिना कृत्रिम रंगों के प्राकृतिक रूप से रंगीन ठंडाई बनाने का तरीका साझा किया। यह साबित करता है कि होली का जश्न बिना कृत्रिम रंगों के भी उतना ही जीवंत और स्वादिष्ट हो सकता है। पिछले कुछ वर्षों में त्योहारी खाद्य पदार्थों में कृत्रिम रंग और स्वाद का इस्तेमाल बढ़ा है,

लेकिन शेफ हरपाल ने प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल करके इसे एक नया रूप दिया। केसर, गुलाब, पिस्ता और ब्लूबेरी जैसे रंगों से उन्होंने होली के उत्सव को और भी खास बना दिया। इस दौरान गोदरेज जर्सी मिल्क ने ठंडाई को एक समृद्ध और प्रामाणिक स्वाद दिया, जो त्योहारी आनंद को और बढ़ा देता है। गोदरेज जर्सी के मार्केटिंग हेड, शांतनु राज ने कहा,"गोदरेज जर्सी हमेशा शुद्धता और बेहतरीन स्वाद के लिए जाना जाता है। ठंडाई जैसे पारंपरिक पेय में इसका इस्तेमाल इसे और भी जीवंत और स्वादिष्ट बना देता है। हम इस सहयोग के माध्यम से लोगों को असली सामग्री और स्वाद का अनुभव दिलाना चाहते हैं। शेफ हरपाल सिंह सोखी ने कहा, "प्राकृतिक रंगों के साथ होली का जश्न और भी सुंदर होता है। इस बार हम यह दिखाना चाहते हैं कि कैसे पारंपरिक और प्राकृतिक सामग्री से हम एक स्वादिष्ट और उत्सवी अनुभव बना सकते हैं।

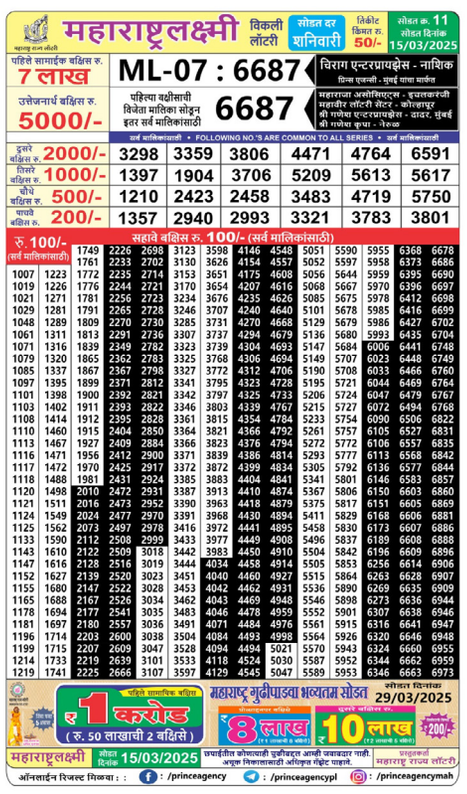

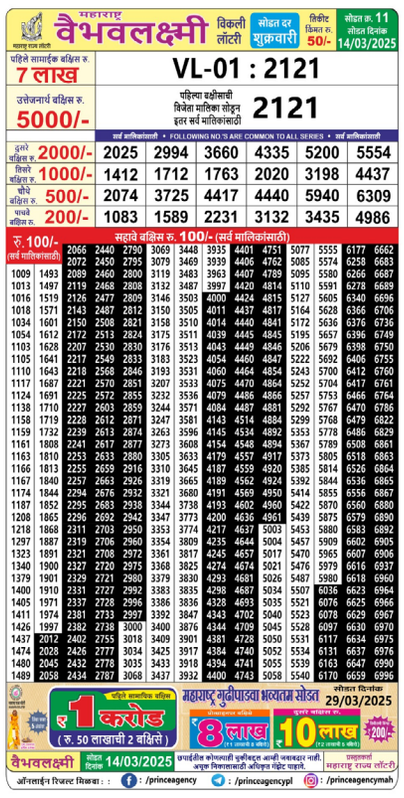

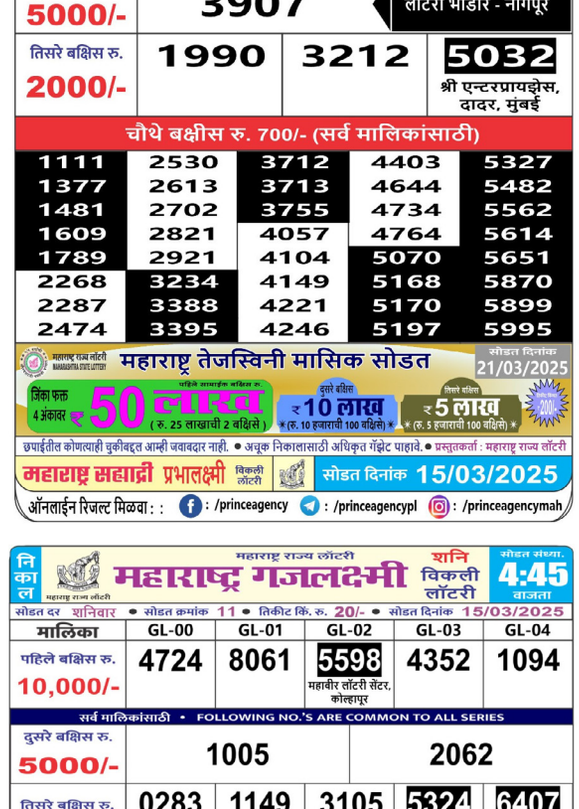

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

बारामती में चाचा-भतीजे फिर आमने-सामने

>अजित-युगेंद्र में इस चुनाव में होगा मुकाबला

बारामती.

राज्य में बारामती में एक बार फिर चाचा-भतीजे के बीच लड़ाई देखने को मिल सकती है. राष्ट्रवादी पार्टी शरद पवार गुट के नेता युगेंद्र पवार ने संकेत दिया है कि वे चीनी मिल चुनाव में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरेंगे. उन्होंने पैनल बनाने का ऐलान किया है.युगेंद्र पवार ने कहा है कि मजदूर चाहते हैं कि वो चीनी मिल चुनाव लड़ें. इस बीच अब युगेंद्र पवार ने चीनी मिल चुनाव लड़ने के संकेत दिए हैं, जिससे संभावना है कि बारामती में एक बार फिर चाचा-भतीजे आमने-सामने होंगे.

युगेंद्र पवार ने चीनी मिल चुनाव में अजित पवार के खिलाफ पैनल बनाने का संकेत दिया है. युगेंद्र पवार ने कहा है कि मजदूर चाहते हैं कि चीनी मिल चुनाव लड़े.उन्होंने कहा कि शरद पवार साहब ने मालेगांव शुगर फैक्ट्री, सोमेश्वर शुगर फैक्ट्री या पूरे गन्ना क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान दिया है. पवार साहब ने इस क्षेत्र में न केवल आज बल्कि पिछले चालीस-पचास वर्षों से योगदान दिया है. पवार साहब हमारे पीछे हैं.

युगेंद्र पवार ने कहा है कि हमारे पास वहां सक्षम उम्मीदवार हैं और अगर हम उस चीनी मिल को बचा सकते हैं तो चुनाव लड़ने में क्या दिक्कत है ? इसलिए अब संभावना है कि युगेंद्र पवार मालेगांव शुगर फैक्ट्री और सोमेश्वर शुगर फैक्ट्री चुनाव में अपना पैनल उतारेंगे. अगर ऐसा हुआ तो बारामती में एक बार फिर चाचा-भतीजे के बीच लड़ाई देखने को मिल सकती है.युगेंद्र पवार ने पिछली बार बारामती विधानसभा चुनाव में अजित पवार के खिलाफ चुनाव लड़ा था. उस समय व्याप्त राजनीतिक स्थिति की पृष्ठभूमि में पूरे राज्य का ध्यान इस निर्वाचन क्षेत्र के चुनावों पर केंद्रित था.

विधानसभा चुनाव में अजित ने युगेंद्र को किया था पराजित

चाचा-भतीजे का यह मुकाबला काफी करीबी था, लेकिन इस चुनाव में अजित पवार ने युगेंद्र पवार को हरा दिया था. इस चुनाव में अजित पवार को 181,132 वोट के साथ 66.13 फीसदी मत मिले थे, जबकि एनसीपी-एसपी के उम्मीदवार युगेंद्र पवार को 80,233 वोट के साथ 29.29 फीसदी मत मिले थे.

चुनाव में न केवल अजित पवार की जीत हुई है, बल्कि महायुति की सत्ता में वापसी हुई थी. महाराष्ट्र में महायुति की सरकार का गठन हुआ और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बने हैं, जबकि अजित पवार को फिर से उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि एकनाथ शिंदे, जो पिछली सरकार में मुख्यमंत्री थे, उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया है.

एसटी बस वरांधा घाट पर घाटी में गिरी

अलीबाग. सुनेभाऊ से महाड की ओर आ रही एक एसटी बस शनिवार को 50 फुट गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना ब्रेक फेल होने के कारण हुई। इस दुर्घटना में पन्द्रह यात्री घायल हो गये। यह दुर्घटना भोर-महाड मार्ग पर वरंध घाट पर घटी। यह दुर्घटना वरंधा गांव के निकट एक तीव्र मोड़ पर हुई। बस के ब्रेक फेल हो जाने के कारण चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और बस मोड़ पर पलट गई। यह सड़क से टकराते हुए लगभग 50 फीट गहरी खाई में जा गिरा। सौभाग्यवश इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, बस में सवार 15 यात्री घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने यात्रियों को बस से बाहर निकाला। उन्हें इलाज के लिए महाड के ट्रॉमा केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच, राज्य के रोजगार गारंटी एवं बागवानी मंत्री भारत गोगावले ने अस्पताल का दौरा किया और घायलों से पूछताछ की। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने हाल ही में पुणे और रायगढ़ जिलों को जोड़ने वाले वरंधा घाट दर्रे का निर्माण पूरा किया है। वरंधाघाट और रायगढ़ जिले की सीमा के बीच सुरक्षा दीवार बनाने और सड़क दोहरीकरण का काम पूरा हो चुका है।

कल्याण से कांग्रेस पदाधिकारी शिंदे शिवसेना में शामिल

कल्याण.

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में कल्याण के कांग्रेस क्षेत्रीय नेताओं और स्थानीय पदाधिकारियों ने सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे और जिला प्रमुख गोपाल लांडगे की उपस्थिति में शिंदे शिवसेना में शामिल हुए। कल्याण जिला कांग्रेस की आंतरिक राजनीति, कुछ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को प्रतिष्ठित पद देने की होड़ से तंग आकर हम शिंदे शिवसेना में शामिल हो गए हैं, ऐसा कांग्रेस महाराष्ट्र राज्य कार्यकारिणी सदस्य पॉली जैकब ने कहा।

पिछले 20 वर्षों से हम कल्याण जिला कांग्रेस कमेटी में सक्रियता एवं निष्ठा से काम कर रहे हैं । पार्टी के आदेशानुसार हमने समय-समय पर कांग्रेस उम्मीदवारों को चुनने के लिए कांग्रेस पार्टी के लिए काम किया। पार्टी रैलियों और विरोध प्रदर्शनों में भाग लिया। स्थानीय नेतृत्व द्वारा हमें कभी भी मानद पद नहीं दिया गया।जो लोग स्थानीय अधिकारियों के इर्द-गिर्द गपशप कर रहे थे, उन्हें नगरपालिका में समितियों और स्थायी समिति के पदों पर नियुक्त किया गया। इस राजनीति को ख़त्म करना मुश्किल है. अब कल्याण जिला कांग्रेस कमेटी में किसी की कद्र नहीं होती। स्थानीय प्रशासन विशेष रूप से चलाया जा रहा है। राज्य कांग्रेस नेता पॉली जैकब ने कहा, "हम, शिंदे, शिवसेना में शामिल हो गए हैं क्योंकि हम इस प्रशासन से तंग आ चुके हैं।"

सांसद डॉ. मुंबई में एक कार्यक्रम में श्रीकांत शिंदे और जिला प्रमुख गोपाल लांडगे ने कल्याण जिले के कांग्रेस नेताओं को शिवसेना में शामिल किया। सांसद शिंदे ने शिवसेना का झंडा सौंपकर सभी का स्वागत किया और आश्वासन दिया कि आने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान किया जाएगा।

क्षेत्रीय प्रमुख पोली जैकब के नेतृत्व में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग कल्याण विभाग अध्यक्ष राजकुमार हीरावत, विद्यार्थी विभाग सनी एंथोनी, महासचिव सुनील चव्हाण, सलाहकार एडवोकेट. नित्यानंद नायर, युवा कांग्रेस महासचिव संतोष शर्मा, प्रदेश कांग्रेस राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के राज्य सचिव स्टीफन हिवाले और विजू अब्राहम जैसे सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता शिंदे शिवसेना में शामिल हुए। पॉली जैकब ने कहा, "हम आगामी नगरपालिका चुनावों में अपनी ताकत दिखाएंगे।"

शेयर बाजार, किसान और 19 लाख का घोटाला

> कोंकणी शख्स के साथ क्या हुआ?

डोंबिवली.

कई बार लोगों को शेयर बाजार में निवेश कर लाखों रुपए कमाने का झांसा दिया जाता है। इसके अलावा, कई लोग ऐसे प्रलोभनों का शिकार हो जाते हैं। बिना किसी जांच-पड़ताल के, साधारण मध्यम वर्ग के लोग अधिक रिटर्न की उम्मीद में अपनी पूंजी तीसरे पक्ष के लोगों को सौंप देते हैं। अंततः उनके लिए पश्चाताप का समय आता है। ऐसी ही एक घटना डोंबिवली में सामने आई है। इसमें एक किसान ने डोंबिवली में रहने वाले कुछ लोगों से 19 लाख रुपये तक की ठगी की है। इस मामले के सामने आने के बाद हर कोई हैरान है।

महेश वारे डोंबिवली में साईं गीताई बिल्डिंग में रहते हैं। वे मूल रूप से चिपलुन के रहने वाले हैं। महेश ड्राइवर का काम करता है। महेश को उसके एक रिश्तेदार का फोन आया। क्या आप शेयर बाजार में निवेश करेंगे? ऐसे पूछा. इसके अलावा 20 प्रतिशत रिटर्न की गारंटी भी दी गई। इसके अनुसार महेश ने चिपलूण निवासी सुयश सुर्वे को निवेश के लिए दो लाख रुपए दिए।

बाद में सुर्वे ने वारे के एक लाख चालीस हजार रुपए बीस प्रतिशत की दर से लौटा दिए। यह घटना 2022 की है। उसी समय, सुर्वे की मां स्नेहाश्री ने उन्हें दोबारा निवेश करने को कहा। वारे परिवार को निवेश करने की कोई इच्छा नहीं थी। लेकिन उन्हें आश्वासन ही दिया गया। आपका पैसा डूबेगा नहीं. उन्हें वापस कर दिया जाएगा। पैसा निवेश करें. चूंकि सुर्वे परिवार परिचित था, इसलिए वारे ने उन पर भरोसा किया। इसके अतिरिक्त, निवेश का निर्णय भी लिया गया। इतना ही नहीं, अन्य लोग भी निवेश करने के लिए सहमत हो गए।

सूटकेस में मिले कटे सिर का रहस्य खुला

विरार. जहां पूरे राज्य में होली का जश्न चल रहा था, वहीं विरार से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई। मंडोवी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत विरार रोड पर पीरकुंडा दरगाह के पास एक सूटकेस में महिला का कटा हुआ सिर मिलने से विरार इलाके में हड़कंप मच गया। होली के अवसर पर स्थानीय ग्रामीण विरार रोड पर पीरकुंडा दरगाह के पीछे जंगल में लकड़ियां इकट्ठा करने गए थे। इस बार उन्हें एक सूटकेस मिला। इस सूटकेस में एक महिला का कटा हुआ सिर मिला था। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

इस मामले में अब चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। ऐसा कहा जाता है कि पति ने महिला की हत्या कर उसका सिर काट दिया और उसे सूटकेस में डालकर जंगल में फेंक दिया। इस मामले में पति ने उसकी हत्या कर दी थी, उसके सिर को सूटकेस में डालकर जंगल में फेंक दिया था। आरोपी पति हरीश बसवराज हिप्पारगी को पुलिस ने हथकड़ी लगा दी है। मृतक महिला का नाम उत्पला हिप्पार्गी (45) है। महिला का कटा हुआ सिर विरार रोड पर पीरकुंडा दरगाह के पीछे जंगल में एक सूटकेस में मिला। आखिरकार क्राइम ब्रांच 3 की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मंडोवी थाना क्षेत्र के अंतर्गत पीरकुंड्या दरगाह के पीछे जंगल में होली के दिन एक महिला का कटा हुआ सिर बरामद हुआ। मृतक महिला का नाम उत्पला हिप्पारागी (45) है।

फंड आवंटन को लेकर महायुति में विवाद

छत्रपति संभाजीनगर. राज्य का बजट वित्त मंत्री अजीत पवार ने पेश किया। उसके बाद एकनाथ शिंदे की शिवसेना के कई मंत्रियों की निधि में कटौती की गई है। इसके अलावा, यह बात भी सामने आई है कि शिवसेना के मंत्रियों को एनसीपी की तुलना में कम धनराशि मिली है। कहा जा रहा है कि यह साजिश उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नगर विकास विभाग के खिलाफ रची गई थी। इसको लेकर अब महागठबंधन में असमंजस की स्थिति है। सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने तो सार्वजनिक रूप से अपनी नाराजगी भी व्यक्त की है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि उनका अकाउंट कैसे हैक हुआ। उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि इससे महामारी फैल जाएगी।

संजय शिरसाट ने धन आवंटन पर सरकार को स्पष्ट चेतावनी जारी की है। प्रिय बहन, योजना अच्छी है। आपको इसके लिए भुगतान करना होगा. इस बारे में कोई असहमति नहीं है। विकास कार्य कम हो गया। संजय शिरसाट ने कहा, "यह हमारा कोई काम नहीं है।" लेकिन शिरसाट ने कहा कि उन्हें अपने सामाजिक न्याय विभाग के कोष में कटौती पर आपत्ति है। संविधान के प्रावधानों के अनुसार, सामाजिक न्याय विभाग को धनराशि उपलब्ध कराई जानी है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई भी हस्तक्षेप नहीं कर सकता। भुगतान कानून द्वारा आवश्यक है। उसके विरुद्ध षडयंत्र नहीं रचा जा सकता। शिरसाट ने यह भी कहा कि यह नियम है। इस बीच, लड़की बहन योजना के लिए 4,000 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 1,500 करोड़ रुपये और बिजली सब्सिडी के लिए 1,400 करोड़ रुपये हमारे खाते से निकाल लिए गए। शिरसाट ने कहा कि इसके कारण उनके खाते को करीब सात हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। सामाजिक न्याय विभाग सभी आम लोगों, दलितों और वंचितों के लिए एक विभाग है। यदि उसी विभाग को काट दिया जाए तो इस समाज के कल्याण का क्या होगा? उन्होंने यह प्रश्न उठाया है।

यदि सामाजिक न्याय विभाग को धनराशि नहीं मिलेगी तो काम नहीं हो पाएगा। अगर काम नहीं किया गया तो यह समाज के साथ अन्याय होगा। इसलिए उन्होंने यह भी कहा कि इस विभाग को कानून के अनुसार जो उपलब्ध है, वही देना होगा। सामाजिक न्याय विभाग के कोष में कटौती नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से खाते पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा विभाग को दीर्घकालिक परिणाम भी भुगतने होंगे।

होली की रात पुलिस की रेड

> हाई फाई अभिनेत्रियां गिरफ्तार

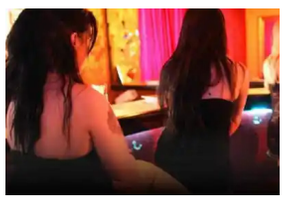

मुंबई.

मुंबई पुलिस ने 15 मार्च को हिरानंदानी, पोवई के एक होटल में चल रहे हाई-प्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया। इस कार्रवाई में 60 वर्षीय श्यामसुंदर अरोड़ा को गिरफ्तार किया गया और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी चार मॉडल्स को पकड़ा गया। बचाई गई महिलाओं को सहायता और सुरक्षा के लिए शेल्टर होम भेजा गया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि हिरानंदानी के एक होटल में सेक्स रैकेट चल रहा है। इसके बाद पुलिस ने नकली ग्राहक बनकर श्यामसुंदर से संपर्क किया। उसने प्रति मॉडल 70,000 से 1 लाख रुपये की मांग की, जिनकी उम्र 26 से 35 साल के बीच बताई गई।

होटल के बाहर पुलिस ने जाल बिछाया। नकली ग्राहक ने इंतजार किया, और जैसे ही श्यामसुंदर उन महिलाओं के साथ वहां पहुंचा, संकेत मिलते ही पुलिस हरकत में आई। एक तेज और सधे हुए हमले के साथ, उन्होंने होटल पर छापा मारा। चमचमाती लॉबी के पीछे का काला सच सामने आया.चार महिलाएं, जिनकी आजादी छीन ली गई थी, अब मुक्ति के कगार पर थीं। श्यामसुंदर को मौके पर ही पकड़ लिया गया, और उसका गैरकानूनी साम्राज्य पलभर में ध्वस्त हो गया। छापेमारी में पुलिस ने आठ मोबाइल फोन और 3 लाख रुपये नकद बरामद किए.ये सब उस गंदे धंधे के मूक गवाह थे। बचाई गई महिलाओं को शेल्टर होम भेजा गया, जहां उन्हें सहारा और सम्मान मिलेगा, जो उनकी कैद से बिल्कुल उलट था।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला

पूछताछ में श्यामसुंदर ने अपने जुर्म कबूल किए और खुलासा किया कि चारकोप इलाके में रहने वाला एक और शख्स इस रैकेट में शामिल था। पुलिस अब उसकी तलाश में जुट गई है, इस नेटवर्क को जड़ से उखाड़ने के लिए प्रतिबद्ध। श्यामसुंदर के खिलाफ बॉम्बे नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट की धारा 143(2) और अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम, 1956 की धारा 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसकी गिरफ्तारी न सिर्फ उसके धंधे का अंत है, बल्कि उस अंधेरे की ओर एक कड़ा संकेत भी है जो इस चमकते शहर की सतह के नीचे छिपा हुआ है।

औरंगजेब के स्टेटस को लेकर 14 लोगों पर कार्रवाई

अक्कलकोट.

विश्व हिंदू परिषद ने अहिल्यानगर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की और मांग की कि औरंगजेब की कब्र को हटा दिया जाए। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि 17 तारीख को राज्य भर के जिला कलेक्टरों और तहसीलदारों को इस संबंध में एक बयान दिया जाएगा। बजरंग दल के महाराष्ट्र-गोवा संयोजक विवेक कुलकर्णी ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार जल्द से जल्द औरंगजेब की समाधि नहीं हटाती है तो लाखों हिंदू छत्रपति संभाजीनगर जाकर कारसेवा करेंगे। वर्तमान में औरंगजेब का मुद्दा पूरे राज्य में गर्म विषय है। इस बीच सोलापुर से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। अक्कलकोट में औरंगजेब का दर्जा रखने वाले 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अक्कलकोट तालुका के मैनदारगी गांव में औरंगजेब का दर्जा रखने वाले 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अक्कलकोट विधायक सचिन कल्याणशेट्टी द्वारा विधानसभा में औरंगजेब का दर्जा रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग के बाद सोलापुर ग्रामीण पुलिस एक्शन मोड में आ गई है।

अक्कलकोट तालुका के मैनदारगी गांव के 14 लोगों और तालुका के एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। विधायक कल्याणशेट्टी ने विधानसभा में खेद व्यक्त किया था कि अक्कलकोट विधानसभा क्षेत्र में औरंगजेब का दर्जा रखने वालों की दर बढ़ रही है। पुलिस ने यह कार्रवाई सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का आरोप लगाते हुए की। सोलापुर ग्रामीण पुलिस ने चेतावनी दी है कि भविष्य में इस तरह की हरकत करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आज का राशिफल

मेष - मेष राशि वालों के लिए दिन लाभदायक रहेगा और आपको सम्मान मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ - वृषभ राशि वालों के लिए आज का दिन सकारात्मक परिणाम दिलाएगा।

मिथुन - मिथुन राशि वालों को आज नौकरी-चाकरी में तरक्की मिल सकती है। किसी शुभ समाचार की प्राप्ति से मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क - कर्क राशि वालों को आज महत्वपूर्ण कार्यों को टाल देना चाहिए। धन से जुड़ा कोई फैसला न लें।

सिंह - सिंह राशि वालों का आज मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार का साथ मिलेगा।

कन्या - कन्या राशि वालों की आज वाणी में मधुरता रहेगी। पर, मन परेशान भी हो सकता है।

तुला- तुला राशि वालों का आज आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संतुलित रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक - वृश्चिक राशि वालों का आज कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

धनु - धनु राशि वालों का आज मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। आर्थिक रूप से परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

मकर- मकर राशि वालों को आज धन लाभ के योग बन रहे हैं। हालांकि किसी बात को लेकर मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। आत्मविश्वास में कमी भी हो सकती है।

कुंभ- कुंभ राशि वालों के आज आत्मविश्वास में कमी रहेगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार में भी शांति बनाए रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

मीन- मीन राशि वालों का आज मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में संयत रहें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

विवाहित महिला ने प्रेमी के साथ की आत्महत्या

नासिक.

सोलापुर जिले के पीलीव में प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक की बेरहमी से हत्या किए जाने की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। इस घटना ने जहां हर जगह हलचल मचा दी है, वहीं अब नासिक से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। नासिक के नांदगांव तालुका में एक भयावह घटना घटी है, जहां गांव वालों द्वारा उनके रिश्ते का विरोध किए जाने के बाद एक जोड़े ने आत्महत्या कर ली।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी यह है कि नासिक के नांदगांव तालुका के नास्तनपुर श्री शनिदेव मंदिर के पास विवाहेतर संबंधों को लेकर बार-बार मिल रही धमकियों से तंग आकर एक महिला और उसके प्रेमी द्वारा ट्रेन के नीचे कूदकर आत्महत्या करने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। आत्महत्या करने से पहले प्रेमी युगल ने एक भावनात्मक सुसाइड नोट लिखा और उसके अनुसार आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में 16 लोगों के खिलाफ नांदगांव पुलिस में मामला दर्ज किया गया है।मनमाड के निकट वंजारवाड़ी गांव की निवासी उज्ज्वला रामकृष्णा का खटल गांव के ज्ञानेश्वर माधव पवार के साथ प्रेम संबंध था। हालांकि गांव के कुछ लोग, रिश्तेदार उनके प्रेम संबंध के खिलाफ थे। पत्र में कहा गया है कि विधायक और पूर्व विधायक संजय पवार और अधिकारियों द्वारा बार-बार दी जा रही धमकियों के कारण दोनों ने आत्महत्या कर ली। वे कहते थे,"आत्महत्या कर लो, नहीं तो हम तुम्हें मार देंगे।" इस बीच, सुसाइड नोट में एक भावनात्मक अपील भी शामिल है जिसमें कहा गया है कि ''इन लोगों ने आपकी बहन को मार डाला, विधायक महोदय, इसकी पूरी जांच होनी चाहिए।'' इस भयावह घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

DR. NANDI PATH LAB — NP Committed to your Wellness
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

Sabri — Professional DJ & Live Audio Sound Service
:: Booking Show ::
Qawwali, Ghazal. Sugam Sangeet, Jagran, Orchestra, Sufi Night, Celebrity Show, Govt. Meeting, School & College Gatherings, Wedding, Party Shows, Event & All Festival Planings, Trust, Lights, LED Wall.
M. 9503066685
Kharbi Chowk, Nagpur.

AVANI SOLAR SYSTEM
GSTIN No. : 27AHYPY4738N1ZX
VANDANA ABHIJEET YADAV Proprietor
AU Avani Udyog (MSEDCL Approved Vendor)
Office Address: Ground Floor, LSN 52/3, Ranala Railway Gate, Kamptee, Nagpur - 441 001
E-mail : avanisolarandagriproducts@gmail.com
Cell : +91 9665055266 | +91 8999396631
Sales Office : "G1", Bhavani Apartment, Near Lokvihar, Phase 3, Bhilgaon, Nagpur - 440 026.

Star Path LAB — 8 AM to 9 PM — UPTO 50% Discount
पॅथॉलॉजी लॅब
हमारे यहां सभी प्रकार के ख़ून/ पेशाब/ मलमूत्र कि जॉच कम से कम दाम मे की जाती है। जैसे कि CBC, ब्लड शुगर, थायरॉयड, वात रोग, पीलिया, ब्लड कैंसर, TB (टी.बी), एलर्जी समेत समस्त प्रकार की जांच खून के द्वारा की जाती है।
(FREE/मुफ्त घर पहुंच सेवा उपलब्ध)
मो. 9372696143, 9370865828
बड़ा ताजबाग दरगाह रोड, नागपुर

इंग्लिश स्पीकिंग
E-PLANET™ SPEAKERS' ACADEMY — Talkative, Funny & Tricky
Morning / Evening BATCHES
अंग्रेज़ी बोलना सीखें बिना किताब और कलम से
हम भीड़ में दौड़ना नहीं जितना सिखाते है।
» STUDENTS » TEACHERS » HOUSEWIVES » JOB SEEKERS
NEW BATCHES | 5:00 PM TO 6:00 PM | 8:00 AM TO 9:00 AM
9960462058,7498325477
नया गोदाम, प्रबुध्द नगर, ईस्माइलपुरा, कामठी — डॉ. (प्रा.) अभिषेक चिमणकर

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

नसीब प्रिंटींग प्रेस
एस. सुधीर — मो. 9372855880
डिजिटल बॅनर • विजिटिंग कार्ड
शादी कार्ड • रबर स्टॅम्प
बुक बाईडिंग • डीटीपी जॉब
रोटा प्रिंटींग • स्क्रीन प्रिंटींग
प्रांजल हॉस्पीटल व दुर्गा स्टॉरेन्ट के सामने, दुर्गा चौक, कामठी

ADMISSION OPEN — RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

अंकित एंटरप्राइजेस
आनंद ठेकेदार : 7219847962
बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर
हमारे यहां आरसीसी काम, बांधकाम काम, प्लास्टर, टाईल्स काम, पेंटिंग और पीओपी के सभी काम करके मिलेंगे।
"सकु आई मंजिल" नया गोदाम, कामठी

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।
विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक
मोबाइल नं. 9604758944 , 9881272088

नमोश्री ऑनलाईन जॉब सेन्टर
विक्रीपत्र, बक्षिसपत्र, मृत्युलेख, हक्क सोडण्याचे लेख, प्रतिज्ञापत्र, हिबानामा, झोन दाखला, बँक प्रतिज्ञा लेख व ईडेलिटी बॅड, आखिव पत्रिका, 7/12, फेरफारपंजी, रजिस्ट्री डाटा इन्ट्री, झेरॉक्स, लेमिनेशन, कलर प्रिंट, वॉटसअप पिंट, आधार कार्ड डाउनलोड
उमेश्वर शामकुंवर
M.9326760744
तहसील व कार्ट के सामने, कामठी

दिल्ली में सियासी हलचल

नई दिल्ली.

दिल्ली में एक बार फिर सियासी हलचलें तेज हो गई हैं। इस बार सीएम रेखा गुप्ता का एक बयान सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो सीएम के इस बयान से दिल्ली में परिवारवाद को लेकर सियासी चर्चा जोर पकड़ सकती है। हालांकि इसे मजबूत राजनीतिक संकेत भी माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना ये भी है कि यह बयान केवल एक सम्मान प्रकट करने का तरीका है। जिससे भाजपा के परंपरागत मतदाताओं को एकजुट किया जा सके। बहरहाल उनके इस बयान से राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। इसे दिल्ली भाजपा की आगामी रणनीति से भी जोड़ा जा रहा है।

दरअसल, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा को अपना भाई कहा है। यह बात उन्होंने शनिवार को पूर्व सीएम डॉ. साहिब सिंह वर्मा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते समय कही। इस दौरान उन्होंने प्रण भी लिया कि वह और प्रवेश वर्मा मिलकर सफर अपनी आंखों से देखा है। मैं भी उन्हीं की तरह बनना चाहती हूं।" रेखा गुप्ता ने आगे कहा कि वह और उनके भाई प्रवेश वर्मा मिलकर जनता के लिए काम करेंगे। उन्होंने परिवार की परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि बेटी मुख्यमंत्री, बेटा मंत्री। यह उल्टा भी हो सकता था, लेकिन घर में भी बड़ी बेटी को चीजें पहले दे दी जाती हैं।

राजनीतिक गलियारों में बना चर्चा का विषय

दरअसल, दिल्ली चुनाव 2025 का परिणाम सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में सीएम पद के लिए सबसे पहला नाम प्रवेश वर्मा का चल रहा था। राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना था कि पिछले समीकरणों को देखते हुए नई दिल्ली से विधायक प्रवेश वर्मा को ही सीएम बनाया जा सकता है। लेकिन भाजपा ने रेखा गुप्ता को सीएम बनाकर सारी चर्चाओं पर विराम लगा दिया। खबरें थीं कि भाजपा की इस चाल से प्रवेश वर्मा ने खासी नाराजगी भी दिखाई थी। हालांकि इन खबरों की पुष्टि नहीं हो सकी। अब सरकार बनने के लगभग तीन सप्ताह बाद सीएम रेखा गुप्ता ने प्रवेश वर्मा को अपना भाई बताया है।

> सीएम रेखा गुप्ता का प्रवेश वर्मा पर कड़ा बयान

पूर्व सीएम साहिब सिंह वर्मा को लेकर क्या कहा?

शनिवार को पूर्व सीएम साहिब सिंह वर्मा को श्रद्धांजलि देने के बाद सीएम रेखा गुप्ता ने कहा "दिल्ली में आखिरी बार विकास कार्य सही मायने में तब हुए थे। जब साहिब सिंह वर्मा दिल्ली के मुख्यमंत्री थे। साहिब सिंह वर्मा मेरे लिए सिर्फ राजनीतिक आइकन नहीं थे, बल्कि वो मेरे मार्गदर्शक भी थे। बचपन से ही मुझे उनका आशीर्वाद मिलता रहा है। मैंने उनके संघर्ष को देखा है कि कैसे वह जमीन से जुड़े रहकर लोगों की समस्याएं हल करते थे।"

सिंह वर्मा का आशीर्वाद मिलता रहा है। साहिब सिंह वर्मा ने मेरी आंखों के सामने पार्षद से लेकर मुख्यमंत्री तक का सफर तय किया था। उनकी मेहनत आज भी हर भाजपा कार्यकर्ता की जुबान पर है।

शनिवार को सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के समाधि स्थल पर कहा "मेरा सौभाग्य रहा कि हम (रचना, प्रवेश वर्मा और मैं) एक ही स्कूल में पढ़े। मैंने पार्षद से लेकर मुख्यमंत्री तक का काम करेंगे। रेखा गुप्ता ने कहा "मुझे बचपन से ही पूर्व मुख्यमंत्री साहिब

'मिनी कश्मीर' बनने की स्थिती में खड़ा है पश्चिम बंगाल

> विवेक अग्निहोत्री के निशाने पर ममता सरकार

नई दिल्ली.

विवेक रंजन अग्निहोत्री ने बताया कि वह गंभीर विषयों पर फिल्म बनाते रहे हैं लेकिन उन्हें कॉमेडी फिल्में देखना बहुत पसंद है और वह ऐसी फिल्म बनाने की भी इच्छा रखते हैं.उन्होंने कहा, "मैं गंभीर फिल्में बनाता हूं. गंभीर इसलिए क्योंकि वे राजनीतिक पृष्ठभूमि की होती हैं लेकिन मैं खुद बहुत ज्यादा कॉमेडी, ड्रामा और थ्रिलर देखता हूं.मुझे कॉमेडी फिल्में पसंद हैं. दरअसल, यह मेरी जिंदगी का एक मिशन था कि मैं भारत की डेमोक्रेसी के तीनों स्तंभ सत्य, न्याय और जिंदगी पर एक फिल्म बनाऊं.'ताशकंद फाइल्स' – सत्य, 'द कश्मीर फाइल्स' – न्याय पर थी और अब दो भाग में 'द दिल्ली फाइल्स: बंगाल चैप्टर' आ रही है, जिसका संबंध जिंदगी से है और अब यह पूरा भी हो चुका है."

अग्निहोत्री ने बताया कि गंभीर विषयों पर फिल्में बनाने के बाद अब वह साफ-सुथरी कॉमेडी फिल्म बनाना चाहते हैं, जिसमें अश्लीलता या फूहड़ता न हो.उन्होंने कहा, "आप पुराने समय की फिल्मों को ले लीजिए, मैं वैसी फिल्में बनाना चाहता हूं, मैं 'पड़ोसन', 'चलती का नाम गाड़ी', 'अंगूर' और ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्म 'खूबसूरत' जैसी फिल्म बनाने की मंशा रखता हूं।"

'द दिल्ली फाइल्स' बनाने का विचार कैसे आया? इस सवाल पर

उन्होंने कहा, "पूरी दुनिया में हम ही एक ऐसी कम्युनिटी हैं, जो गुलामी की जंजीर में रहे और हमें प्रताड़ित किया गया.हमें हमेशा से सिखाया गया कि अपने गुस्से को कंट्रोल करना चाहिए, उसे प्रकट करने से बचना चाहिए और पूरी दुनिया यही सिखाने में लगी हुई है कि मानवता क्या है? लेकिन आज की पीढ़ी को बंगाल या डायरेक्ट एक्शन डे की सच्चाई से अवगत कराना जरूरी है.फिल्म में बंगाल की आज की स्थिति को भी दिखाया गया है.ये फिल्म सार्थक जरूर होगी क्योंकि देखकर लोगों के मन में ये जरूर आएगा कि बंगाल अलग नहीं, ये हमारे देश का ही एक हिस्सा है."

बाइक पर रील बनाना युवक को पड़ा महंगा

> सड़क पर गिरकर हुई मौत

बहराइच.

जिले के मोतीपुर थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि एक युवक की जान रील बनाने के चक्कर में चली गई। घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। बहराइच जिले के मोतीपुर थाना के गांव कंचनपुर पैरुआ के रहने वाले महत्व 20 वर्ष पड़ोस के रहने वाले मित्र पंकज निषाद के साथ बाइक से होली खेलने के बाद घर जा रहे थे। नानपारा लखीमपुर मार्ग पर एक ढाबा के पास बाइक पर पीछे बैठे महत्व अपने मोबाइल पर गाना लगाकर पीछे खड़े होकर डांस करने लगे। जबकि एक अन्य साथी उसका वीडियो बना रहा था तभी बाइक से अनियंत्रित होकर सड़क पर युवक गिर पड़ा जिससे घटनास्थल पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। उसके साथी ने डायल 112 को फोन कर सूचना दी। मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

बहराइच जिले के मोतीपुर थाना के गांव गिरगिट्टी के रहने वाले गुड्डू पुत्र बिरजा को अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। जिससे बाइक सवार घायल हो गया। सड़क पर परी युवक को देखकर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस उसे मोतीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई जहां पर हालत गंभीर होने पर युवक को बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां पर इलाज शुरू होते ही युवक की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों युवकों के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

21 दिनों से सुरंग में फंसे मजदूर

> बचाव अभियान में तेजी लाने को रोबोट कर रहे काम

नगरकुरनूल.

तेलंगाना में 21 दिन बाद भी एसएलबीसी सुरंग के अंदर फंसे सात लोगों की तलाश जारी है। लोगों की तलाश के लिए विशेष मशीनरी से लैस एक 'स्वायत्त हाइड्रोलिक संचालित रोबोट' तैनात किया गया है। उम्मीद है जल्द ही उनको बाहर निकाल लिया जाएगा।

मैनुअल खुदाई के बजाय रोबोट को काम पर लगाया.एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि उपकरणों में 30 एचपी क्षमता वाला लिक्विड रिंग वैक्यूम पंप और एक वैक्यूम टैंक मशीन शामिल है, जो सुरंग के अंदर मिट्टी को तेजी से हटाने और अन्य कार्यों में सहायक है। मिट्टी को तेजी से हटाने के लिए मैनुअल खुदाई के बजाय, स्वायत्त हाइड्रोलिक-संचालित रोबोट का उपयोग किया जा रहा है।

कई बड़े अधिकारी लगातार कर रहे निगरानी : बयान के मुताबिक, कन्वेयर बेल्ट का उपयोग करके एक घंटे में लगभग 620 क्यूबिक मीटर मिट्टी और मलबे को सुरंग से बाहर निकाला जा सकता है। नवीनतम तकनीक वाली मशीनों के उपयोग से ऑपरेशन को कुशलतापूर्वक करने में मदद मिलेगी। राज्य के विशेष मुख्य सचिव (आपदा प्रबंधन) अरविंद कुमार खोज अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

पॉपकॉर्न के बाद अब डोनट्स को भी लगी जीएसटी की बीमारी

नई दिल्ली.

कांग्रेस ने जीएसटी की विभिन्न दरों को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार (15 मार्च) को कहा कि पॉपकॉर्न के बाद अब 'डोनट' पर भी जीएसटी का प्रभाव दिखाई दे रहा है। उन्होंने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश को अब 'जीएसटी 2.0' की आवश्यकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब टैक्स संबंधी मुद्दों से कई व्यावसायिक संस्थान परेशान हैं और इसका असर बाजार पर भी पड़ रहा है।

जयराम रमेश ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यह पूरा मुद्दा दर्शाता है कि 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' का नारा कितना खोखला है। सरकार भले ही इस नारे का ढिंढोरा पीटे, लेकिन वास्तविकता में व्यापारियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना

करना पड़ रहा है। रमेश ने कहा कि टैक्स प्रणाली में कई खामियां मौजूद हैं, जिसके चलते जीएसटी 2.0 की आवश्यकता महसूस की जा रही है। उनका कहना था कि इससे व्यापारियों को समान अवसर और राहत मिल सकेगी।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी दरों में और कमी की जाएगी। वहीं, कांग्रेस ने बीते रविवार को दावा किया कि कर में किसी भी बदलाव को केवल दरों में कटौती तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। पार्टी ने जोर देकर कहा कि जीएसटी 2.0 को मूल रूप से सरल और कम दंडात्मक बनाने की जरूरत है, ताकि यह अधिक व्यापक और प्रभावी हो सके।

"म्याड ओवर डोनट्स" को ₹00 करोड़ का टैक्स नोटिस का सामना करना पड़ रहा है, डोनट्स के लिए मशहूर इस ब्रांड को अपने व्यवसाय का गलत वर्गीकरण करने और डोनट्स पर 5% जीएसटी (इसे रेस्टोरेंट सर्विस सेवा बताकर) चुकाने का आरोप है, जबकि बेकरी उत्पादों पर 18% टैक्स लागू होता है। यह मामला अब बॉम्बे हाई कोर्ट में पहुंच चुका है।

निर्माणाधीन पुल पर हुआ हादसा

> थाईलैंड में 5 लोगों की मौत और 27 घायल

बैंकॉक.

दुनियाभर में ही निर्माणाधीन पुलों पर हादसों के मामले अक्सर ही सामने आते हैं। कहीं न कहीं, इस तरह की घटनाएं घटित होती रहती हैं। ऐसा ही एक मामला शनिवार, 15 मार्च को थाईलैंड में सामने आया है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के चोम थोंग जिले में रामा 2 रोड के पास एक निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे पुल पर आधी रात बाद करीब 1 बजकर 48 मिनट पर यह हादसा हुआ। पुल की कंक्रीट से बनी बीम अचानक से गिर गई, जिससे हड़कंप मच गया।

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के चोम थोंग जिले में निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे पुल की कंक्रीट से बनी बीम के अचानक गिरने से 5 मजदूरों की उसके नीचे दबने से मौत हो गई।

इस हादसे में मौके पर मौजूद 27 मजदूर घायल हो गए। घायल मजदूरों को नज़दीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। इनमें से कुछ मजदूरों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

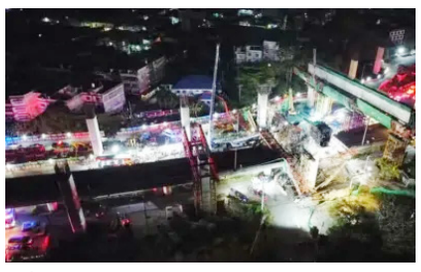

लोकल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि मजदूर जिस समय बीम पर सीमेंट लगा रहे थे। तभी अचानक से जोर की आवाज़ आई, जो बीम के गिरने की थी। बीम पर ज़रूरत से ज़्यादा सीमेंट लगाने को भी हादसे की संभावित वजह बताया जा रहा है। हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी का एजेंट आगरा से गिरफ्तार

आगरा.

रविंद्र आगरा का निवासी है। वह मूल रूप से मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले का रहने वाला है। फिरोजाबाद के हजरतपुर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में चार्जमैन के पद पर तैनात है। आईएसआई के हनी ट्रैप में फंस फंसकर वह काफी समय से संवेदनशील सूचनाओं को लीक कर रहा था।एटीएस को रविंद्र कुमार के मोबाइल से ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की अहम डेली रिपोर्ट मिली है। इसमें ड्रोन, गगनयान प्रोजेक्ट और अन्य गोपनीय जानकारी/ स्क्रीनिंग कमेटी का कॉन्फिडेंशियल लेटर शामिल है। एडीजी एटीएस नीलाब्जा चौधरी ने बताया कि नेहा शर्मा नाम की आईडी पाकिस्तान से ऑपरेट हो रही थी। रविंद्र की गिरफ्तारी की सूचना उसकी पत्नी आरती को भी दी गई है।पूछताछ में रविंद्र ने बताया कि पिछले साल जून-जुलाई में नेहा शर्मा नाम की एक लड़की से फेसबुक पर संपर्क हुआ। फिर हम दोस्त बन गए। पहले हम दोनों मैसेंजर पर बात करते थे। धीरे-धीरे ये दोस्ती प्यार में बदलने लगी। बाद में नेहा ने अपने वॉट्सऐप नम्बर शेयर किया। इसके बाद हम वाट्सएप पर बात करने लगे।

नेहा ने बताया कि वह भारत के विदेश व रक्षा मंत्रालय की अहम गोपनीय सूचनाओं को इकट्ठा करती है। इसके बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को शेयर करती है। इस काम के लिए उसे अच्छा पैसा मिलता है। अगर तुम मेरे साथ काम करोगे तो मालामाल कर दूंगी। इसके बाद मैं लालच में आ गया।

मैंने अपने ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की कई महत्वपूर्ण और गोपनीय जानकारी नेहा शर्मा को शेयर कर दी। रवींद्र के मुताबिक, वह दस्तावेज और इनपुट भेजने के बाद उसे फोन से डिलीट कर देता था।

अमेरिका में 41 देशों के नागरिकों पर यात्रा प्रतिबंध

> पाकिस्तान भी सूची में शामिल

वाशिंगटन.

अमेरिका जल्द ही पाकिस्तान समेत 41 देशों के नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है। ट्रंप प्रशासन ने इन देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाने के लिए एक ड्राफ्ट तैयार किया है, जिसे लागू करने के बाद इन देशों के नागरिकों की अमेरिका में एन्ट्री नहीं हो सकेगी। अधिकारियों का कहना है कि ट्रंप के पहले कार्यकाल के मुकाबले इस बार यात्रा प्रतिबंध अधिक सख्त होंगे। अमेरिकी सरकार ने अवैध इमिग्रेशन पर प्रहार करने और सुरक्षा कारणों से यह कदम उठाया है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और भूटान उन 41 देशों में शामिल हैं, जिन पर यात्रा प्रतिबंध लगाए जाने की योजना है।

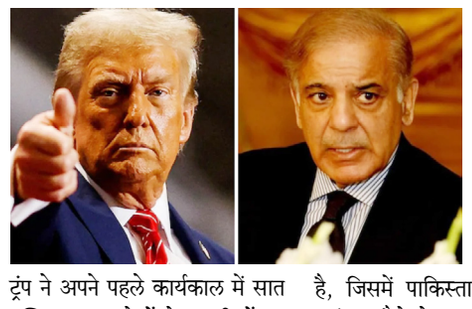

ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में सात मुस्लिम बहुल देशों के नागरिकों पर यात्रा प्रतिबंध लगाया था।

इस मेमो के अनुसार इन देशों को तीन अलग-अलग समूहों में बांटा गया है। पहले समूह में 10 देश शामिल हैं, जिसमें अफगानिस्तान, ईरान, सीरिया, क्यूबा और उत्तर कोरिया जैसे देश शामिल हैं, जिनके लिए पूरी तरह से वीजा निलंबन की योजना है। दूसरे समूह में पांच देशों को रखा गया है, जिसमें एरीट्रिया, हैती, लाओस, म्यांमार और दक्षिण सूडान शामिल हैं, जिन पर आंशिक निलंबन लागू होगा, जो पर्यटक और छात्र वीजा समेत अन्य आप्रवासी वीजा प्रभावित करेगा। मेमो में कहा गया है कि तीसरे समूह में कुल 26 देशों को शामिल किया गया है, जिसमें पाकिस्तान, भूटान और म्यांमार जैसे देश शामिल हैं, जिन्हें अमेरिका वीजा जारी करने के आंशिक निलंबन पर विचार किया जाएगा, अगर उनकी सरकारें "60 दिनों के अंदर कमियों को सुधारने के लिए प्रयास नहीं करतीं,"एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर चेतावनी दी कि सूची में बदलाव हो सकते हैं और इसे प्रशासन द्वारा अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है, जिसमें अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो भी शामिल हैं। ध्यान रहे कि न्यूयॉर्क टाइम्स ने पहली बार देशों की इस सूची की रिपोर्ट दी थी।

पुतिन की यूक्रेनी सेना को चेतावनी

> "तुरंत सरेंडर करो" सीजफायर वार्ता के बीच

मॉस्को.

रूस-यूक्रेन युद्ध को 3 साल पुरे हो चुके हैं और इसके बावजूद युद्ध जारी है। हालांकि इसे रोकने के लिए अमेरिका ने 30 दिन के सीज़फायर का प्रस्ताव पेश किया है, जिसे यूक्रेन ने मान लिया है। सऊदी अरब के जेद्दा में दोनों देशों के अधिकारियों ने मीटिंग करके 30 दिन के सीज़फायर का प्रस्ताव पेश किया। इस अमेरिकी प्रस्ताव को मानने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी देने पर लगी रोक हटा दी है।

इस सीज़फायर प्रस्ताव को मानने के लिए ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भी चेतावनी दी है। हालांकि पुतिन ने इस प्रस्ताव को मानने के लिए कुछ शर्तें रखी हैं। इसी बीच पुतिन ने यूक्रेनी सेना को भी एक सलाह दी है। ट्रंप ने पुतिन से अपील की है कि वह यूक्रेनी सेना को मारना बंद कर दे। ऐसे में पुतिन ने भी रूसी इलाके कुर्स्क में तैनात यूक्रेनी सेना को तुरंत सरेंडर करने की सलाह दी है। पुतिन ने यह भी कहा है कि कुर्स्क में जो भी यूक्रेनी सैनिक सरेंडर करते हुए अपने हथियार डाल देंगे, उनकी ज़िंदगी को बख्श दिया जाएगा। रूस पर सीज़फायर प्रस्ताव को मानने का दबाव बनाने के लिए अमेरिका ने रूस पर लगाए प्रतिबंध सख्त कर दिए हैं। अमेरिका ने रूस के कच्चे तेल पर लगे प्रतिबंधों को और सख्त कर दिया है।

वडोदरा हिट एंड रन में पुलिस का बयान

गांधीनगर. गुजरात के वडोदरा में गुरुवार देर रात हुए हिट एंड रन केस में आरोपी रक्षित चौरसिया ने नया दावा किया है. उसका कहना है कि वह नशे में नहीं था और कार की स्पीड सिर्फ 50 किमी प्रति घंटा थी. इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे. पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद आरोपी ने सफाई दी कि दुर्घटना उसके नियंत्रण से बाहर हो गई थी क्योंकि एयरबैग अचानक खुल गया था जिससे उसका विजन ब्लॉक हो गया असल में घटना के कई वीडियो सामने आए हैं. जिसमें रक्षित चौरसिया नशे की हालत में नजर आ रहा है. हादसे के बाद वह कार से बाहर निकलकर एक और राउंड चिल्लाता हुआ दिखा जबकि आसपास मौजूद लोग घायल पड़े लोगों की मदद करने की कोशिश कर रहे थे. इस वीडियो में कार की स्पीड काफी तेज दिखाई दे रही है लेकिन आरोपी ने तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने से इनकार किया. उसने कहा कि मैंने सिर्फ एक स्कूटर और एक कार को देखा, सड़क किनारे कोई पैदल यात्री नहीं दिखा.

बलूचिस्तान में बढ़ती असुरक्षा

बलूचिस्तान.

> जनता में गुस्से और डर का माहौल

पाकिस्तानी सेना ने कहा कि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के आतंकवादियों द्वारा मारे गए 26 बंधकों में से 18 सेना और अर्धसैनिक बल के जवान थे। बलूचिस्तान में ट्रेन पर घात लगाकर हमला विद्रोहियों ने यह हमला किया था। पाकिस्तानी सेना के अनुसार, ट्रेन पर हमला उस समय किया गया जब यह जाफर एक्सप्रेस ट्रेन बलूचिस्तान के एक संवेदनशील क्षेत्र से गुजर रही थी। हमलावरों ने ट्रेन को घेरकर बंधक बना लिया और फिर उन पर गोलीबारी की, जिससे 26 लोग मारे गए। मारे गए सैनिकों और अर्धसैनिक बलों के जवानों का बहादुरी से मुकाबला करने के बावजूद, आतंकवादियों ने उन्हें निशाना बना लिया।पाकिस्तानी सेना ने यह भी बताया कि इस हमले के बाद की कार्रवाई में कुल 33 आतंकवादी मारे गए। सेना ने इलाके में व्यापक तलाशी अभियान चलाया और बीएलए के कई ठिकानों को नष्ट कर दिया। यह एक कठिन और खतरनाक अभियान

था, जिसमें सेना के कई जवानों ने साहसिकता का परिचय दिया।

बलूचिस्तान क्षेत्र पाकिस्तान का एक संवेदनशील और अशांत क्षेत्र है, जहां लंबे समय से अलगाववादी और आतंकवादी गतिविधियां चल रही हैं। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी जैसे समूह पाकिस्तान सरकार के खिलाफ विद्रोह कर रहे हैं, और इनका उद्देश्य बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग करना है। इस प्रकार के हमले न केवल सुरक्षा बलों के लिए चुनौती हैं, बल्कि नागरिकों के लिए भी अत्यधिक खतरनाक साबित हो रहे हैं।बलूचिस्तान में इस घटना के बाद स्थानीय जनता में गुस्से और डर का माहौल है। कई जगहों पर प्रदर्शन हो रहे हैं और लोग पाकिस्तान सरकार से यह मांग कर रहे हैं कि वे इस प्रकार की घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई करें और बलूचिस्तान के लोगों को सुरक्षा प्रदान करें।

पाकिस्तान की सरकार ने इस हमले की कड़ी निंदा की है और आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का वादा किया है। प्रधानमंत्री इमरान खान ने घटना को दुखद बताते हुए मारे गए सैनिकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सुरक्षाबलों को बलूचिस्तान में आतंकवादियों का मुकाबला करने के लिए पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया।

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, रविवार, 16 मार्च 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

20 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का काम किया जाएगा

चंद्रपुर.

भारी बारिश के कारण शहर की कई सड़कों पर पानी भर गया है। इसके चलते राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ती शिकायतों के मद्देनजर विधायक किशोर जोरगेवार ने शनिवार को नगर निगम और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ शहर की प्रमुख सड़कों का निरीक्षण किया। उन्होंने 20 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि से सड़क का काम तुरंत शुरू करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर पूर्व महापौर त्र्यंबक तुपे, नंदकुमार घोडेले, राजेंद्र जंजल, विधानसभा संयोजक राजू वैद्य, उप जिला अध्यक्ष संतोष जेजुरकर, शहर प्रमुख विश्वनाथ स्वामी, मीना गायक और पार्टी के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सीवर के लिए खोदी गई सड़कों पर चलना लोगों के लिए एक बड़ी समस्या बन गई है। कई जगहों पर दुर्घटनाएं बढ़ गई हैं। इस स्थिति को देखते हुए विधायक किशोर जोरगेवार ने मुख्य सड़कों का निरीक्षण किया। जैसे ही काम पूरा हो जाएगा, सड़कों को फिर से बनाया जाएगा। चूंकि चैत्र नवरात्रि यात्रा 3 अप्रैल से शुरू हो रही है, इसलिए उन्होंने इस यात्रा से पहले जाटपुरा गेट से जाटपुरा गेट तक के मुख्य मार्ग को पूरा करने का निर्देश दिया है।

विधायक किशोर जोरगेवार ने शहर में सड़क कार्यों के लिए शहरी विकास कोष के तहत 20 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। हालांकि, सड़क के निर्माण के कारण काम रुक गया। अब जब शहर में सीवरेज का काम पूरा हो रहा है, तो मरम्मत का काम तुरंत शुरू करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने अधिकारियों को नगर निगम और लोक निर्माण विभाग के समन्वय से कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।

इससे पहले विधायक किशोर जोरगेवार ने नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की थी और सीवरेज के काम से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा की थी। लोगों को होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कार्यों को जल्द पूरा करने और सड़कों के पुनर्निर्माण के निर्देश दिए थे। बैठक में शहर की मुख्य सड़कों का काम तुरंत शुरू करने का निर्णय लिया गया।

प्रारंभिक चरण में, शहर में यातायात को आसान बनाने के लिए सबसे अधिक यातायात वाली सड़कों पर काम किया जाएगा। विधायक किशोर जोरगेवार ने जाटपुरा गेट से जाटपुरा गेट तक एक मार्ग तैयार करने का निर्देश दिया है ताकि चैत्र नवरात्रि यात्रा शुरू होने से पहले तीर्थयात्रियों और स्थानीय नागरिकों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने नगरपालिका प्रशासन को शेष सीवरेज के काम में तेजी लाने का निर्देश दिया ताकि तीर्थयात्रियों की भीड़ के कारण यातायात बाधित न हो।

उन्होंने अधिकारियों को सीवर का काम पूरा होते ही गांधी चौक से पठानपुरा, अंबेडकर प्रतिमा से बिनबा गेट सहित दो अन्य प्रमुख मार्गों का काम पूरा करने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने उन क्षेत्रों में सड़कों की मरम्मत करने का भी निर्देश दिया, जहां सीवरेज का काम पूरा हो चुका है। विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि प्रशासन को लोगों को यातायात जाम और खराब सड़कों से राहत देने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए।

चंद्रपुर किला

चंद्रपुर किला, जिसे चंद्रपुर किला के नाम से भी जाना जाता है, भारत के महाराष्ट्र राज्य में स्थित चंद्रपुर की समृद्ध ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का प्रमाण है। शहर का नाम, 'चंद्रपुर', किले से ही लिया गया है, जो दर्शाता है कि किला शहर की पहचान में एक महत्वपूर्ण स्थल था। ऐतिहासिक महत्व चंद्रपुर किले का इतिहास 13वीं शताब्दी का है। ऐसा माना जाता है कि मूल रूप से गोंड राजाओं ने किले का निर्माण किया था, जिन्होंने इस क्षेत्र पर शासन किया था। बाद में, किले ने ब्रिटिश नियंत्रण में आने से पहले नागपुर के भोंसले राजाओं के शासन को देखा। चंद्रपुर में पर्यटन चंद्रपुर ऐतिहासिक रूप से इतिहास, वास्तुकला और संस्कृति में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए एक प्रमुख स्थान रहा है। किला, एक केंद्रीय आकर्षण होने के नाते, शहर के पर्यटन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। देश के विभिन्न हिस्सों से पर्यटक इसकी स्थापत्य भव्यता की झलक पाने और शहर के गौरवशाली अतीत के बारे में जानने के लिए किले का दौरा करते हैं। किले की ऊंची दीवारें, बुर्ज और प्रवेश द्वार मध्ययुगीन काल की जीवंत याद दिलाते हैं।

किले के अलावा, चंद्रपुर में अन्य आकर्षण हैं जिन्होंने इसके पर्यटन पोर्टफोलियो में योगदान दिया है, जैसे कि ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व, जो वन्यजीव सफारी प्रदान करता है जो प्रकृति उत्साही लोगों के बीच उच्च मांग में है। नवीनतम पर्यटन रुझान हाल ही में, चंद्रपुर में इको-पर्यटन और वन्यजीव पर्यटन पर जोर बढ़ा है। ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व न केवल जैव विविधता के लिए एक आश्रय स्थल है, बल्कि एक प्रामाणिक वन्यजीव अनुभव की तलाश करने वाले आगंतुकों को आकर्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सरकार और स्थानीय निकायों ने पर्यटक बुनियादी ढांचे में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे चंद्रपुर किले की यात्रा अधिक सुलभ और आनंददायक हो गई है। किले और आसपास के ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण के प्रयास अधिक प्रमुख हो गए हैं, जो शहर की समृद्ध विरासत को बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं जिम्मेदार पर्यटन को सुनिश्चित करने के लिए चल रहे प्रयास, जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए पर्यावरणीय स्थिरता और सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देते हैं, एक उच्च प्राथमिकता है। निष्कर्ष चंद्रपुर किले ने अपनी सीमाओं के भीतर एक महत्वपूर्ण इतिहास को देखा है और महाराष्ट्र में ऐतिहासिक पर्यटन का एक प्रतीक बना हुआ है। जैसे-जैसे पर्यटन के रुझान विकसित होते हैं, चंद्रपुर अपने इतिहास और संस्कृति को सबसे आगे रखते हुए नई मांगों के अनुकूल हो रहा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि चंद्रपुर किले की विरासत भविष्य की पीढ़ियों के लिए जीवित रहे।

ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व

❐ ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व में एक प्रमुख बाघ टी-44 (बजरंग) की छोटा मटका नामक एक अन्य बाघ के साथ क्षेत्रीय लड़ाई में मृत्यु हो गई। यह रिजर्व महाराष्ट्र राज्य के चंद्रपुर जिले में स्थित है जो नागपुर शहर से लगभग 150 किमी दूर है। ताडोबा राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना वर्ष 1955 में की गई थी तथा अंधारी वन्यजीव अभयारण्य की स्थापना वर्ष 1986 में की गई थी। इन दोनों को मिलाकर वर्ष 1995 में ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व बनाया गया। इसका कुल क्षेत्रफल लगभग 1,727 वर्ग किमी है। यह महाराष्ट्र का सबसे पुराना और सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है। 'ताडोबा' का अर्थ 'ताडोबा' शब्द भगवान के नाम "ताडोबा" या "तरु" से लिया गया है तथा "अंधारी" शब्द इस क्षेत्र में बहने वाली अंधारी नदी के नाम से लिया गया है। इन दोनों शब्दों को मिलाकर ताडोबा अंधारी राष्ट्रीय उद्यान बनाया गया है। वर्ष 2010 की राष्ट्रीय जनगणना के अनुसार, इस रिजर्व में लगभग 43 बाघ थे। यह राष्ट्रीय उद्यान प्रत्येक मौसम में 15 अक्टूबर से 30 जून तक पर्यटकों के लिए खुला रहता है तथा प्रत्येक मंगलवार को पूरे दिन बंद रहता है। ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व में पाये जाने वाले वनस्पति, यहाँ पर उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन पाये जाते हैं जिनमें सागौन प्रमुख वृक्ष प्रजाति है। इसके अतिरिक्त यहाँ पर ऐन, बीजा, धौड़ा, हल्द, सलाई, सेमल, तेंदू, बहेड़ा, हिरदा, करया गोंद, महुआ मधुका, अर्जुन, बांस, भेरिया, ब्लैक प्लम तथा कई अन्य वृक्ष पाये जाते हैं।

सांसद धनोरकर ने बजट सत्र में सरकार का ध्यान आकर्षित किया

चंद्रपुर.

दिल्ली में चल रहे बजट सत्र में सांसद प्रतिभा धानोरकर ने विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। इनमें जीवती तालुका में पानी की समस्या, केंद्र से सांसदों को प्राप्त अल्प विकास निधि और चंद्रपुर-वाणी राजमार्ग पर लगातार दो टोल प्लाजा शामिल हैं। बजट सत्र में सांसद प्रतिभा धानोरकर ने अपने लोकसभा क्षेत्र की समस्याओं को हल करने के लिए प्रश्नों के माध्यम से केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। मैंने सरकार से जीवती तालुका में पानी की समस्या के बारे में पूछा है और सरकार के निर्देश पर लाया है कि येल्लापुर के नागरिक पानी की कमी के कारण गांव छोड़ने जा रहे हैं। इस संबंध में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने कहा कि तालुका में 85.19 प्रतिशत जलापूर्ति का काम पूरा हो चुका है और राज्य सरकार के माध्यम से पूरे तालुका की पानी की समस्या जल्द ही हल हो जाएगी। साथ ही, लोकसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए सांसदों को मिलने वाले धन को बढ़ाने की दिशा में सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हरियाणा के सांसदों को 50 करोड़ रुपये मिलते हैं जबकि राज्यसभा सदस्यों को 32.5 करोड़ रुपये मिलते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में लोकसभा में सांसदों के विकास कोष को बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही चंद्रपुर-वाणी राजमार्ग पर 60 किलोमीटर की दूरी पर दो टोल प्लाजा हैं। धनोरकर ने एक सवाल के माध्यम से सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की ओर इशारा किया कि नियमों के अनुसार यह गलत है। मंत्री ने कहा कि इस संबंध में उचित कार्रवाई की जाएगी।

बहुजन मुक्ति के लिए सत्ता की 'प्रमुख कुंजी' महत्वपूर्णः डॉ. चालवाड़ी

चंद्रपुर.

देश के गरीब, वंचित, उत्पीड़ित और वंचित तबकों के लिए बहुजन समाज पार्टी की स्थापना करने वाले जननेता मानव कांशीराम जी की जयंती के अवसर पर बहुजन समाज पार्टी ने दलितों, आदिवासियों और ओबीसी के अधिकारों के लिए आवाज उठाई और उन्हें राजनीति में जगह दी। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, देश की लौह महिला और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री बहन मायावती जी ने इस अवसर पर पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को तन-मन-धन समर्पित करके सामाजिक परिवर्तन आंदोलन को मजबूत करने का संकल्प लेने के लिए धन्यवाद दिया है।

डॉ. चालवाड़ी ने कहा कि माननीय कांशीराम जी की जयंती के अवसर पर सुश्री मायावती ने पार्टी को सर्वोच्च संदेश दिया है कि बहुजन समुदाय को अपने वोट की शक्ति का एहसास होना चाहिए और गरीबी, बेरोजगारी, शोषण, उत्पीड़न, पिछड़ेपन, जातिवाद, सांप्रदायिक हिंसा और धार्मिक तनाव से मुक्त जीवन जीने के लिए खुद को मुक्त करना चाहिए। सम्मानित कांशीराम की जीवन यात्रा और उनका कार्य समाज के दलित, उत्पीड़ित और वंचित वर्गों के लिए एक आदर्श बन गया। अपनी उपलब्धियों के आधार पर उन्होंने देश की राजनीति और सामाजिक ताने-बाने में महत्वपूर्ण बदलाव लाए। शोषण के खिलाफ और समानता के आधार पर समाज की प्रगति के लिए सम्मानित कांशीराम जी का कार्य विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

कांशीराम ने जातिवाद, धर्मवाद और सामाजिक अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी। इस अवसर पर डॉ. चालवाड़ी ने कहा कि उनके कार्य अभी भी बहुजनों के लिए एक प्रेरणा हैं और उनके विचार आज के समाज के लिए भी एक प्रेरणा हैं। बहुजन समाज पार्टी बोलने से ज्यादा करने में विश्वास करती है। सुश्री बहन मायवती जी के नेतृत्व में देश ने इसका अनुभव किया है। उनके कार्यकाल के दौरान, उत्तर प्रदेश ने चौतरफा विकास देखा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह आम आदमी के लिए सही मायने में 'अच्छे दिन' लाने वाली पहली मुख्यमंत्री बनीं। लेकिन दूसरे पक्ष को वास्तविक काम करने के बजाय केवल बड़े वादों का आशीर्वाद प्राप्त है ", डॉ. चालवाड़ी ने कहा।

मसौदा नियमों में कक्षा 2 से 1 के मामले में ब्याज की राशि 75% के बजाय 25% तक बढ़ाने का प्रस्ताव है

चंद्रपुर/यवतमालः राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एन. सी. बी. सी.) के अध्यक्ष और पूर्व केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री हंसराज अहीर ने भोगोटा वर्ग 2 की भूमि को भोगोटा वर्ग 1 में बदलने के लंबित मामलों में उप-मंडल अधिकारी स्तर के मामलों का शीघ्र निपटान करने और सरकारी स्तर पर लंबित प्रस्तावों को वर्गीकृत करने के बाद इन मामलों को मंजूरी के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

हंसराज अहीर ने पिछले साल से चंद्रपुर और यवतमाल जिलों के विभिन्न उप-मंडल अधिकारियों के कार्यालय स्तर पर भोगोटा क्लास 1 मामले में सार्वजनिक सुनवाई की थी। इस संबंध में उन्होंने कहा, देवेंद्रजी फडणवीस के स्तर पर पत्राचार और चर्चा के माध्यम से 75% उत्पाद शुल्क को कम करने के लिए निरंतर प्रयास किए गए। राज्य सरकार ने यह जानकारी दी है। 20 फरवरी, 2025 को मसौदा नियमों का

प्रस्ताव, जिसमें नगर पंचायतों, नगर परिषदों और बाहर के लोगों द्वारा 75% की मामूली राशि का भुगतान किया जाना है, कृषि उद्देश्यों के लिए धारक भूमि को 25% और गैर-कृषि भूमि को 50%, आवासीय उद्देश्यों के लिए व्यक्तिगत रूप से आयोजित भूमि को 15% और किरायेदार द्वारा व्यक्तिगत रूप से आयोजित भूमि को 25% प्रदान किया गया है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सुनवाई के दौरान, अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से संबंधित किसानों ने समय-समय पर मांग की थी कि भूमि को कक्षा 2 से कक्षा 1 में परिवर्तित करते समय 75% नज़रे का भुगतान अनिवार्य किया जाए। अहीर ने सरकारी स्तर पर निर्णय लेने के लिए तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और वर्तमान मुख्यमंत्री के साथ आगे बढ़ने का आश्वासन दिया था। अहीर इन लंबित मामलों को निपटाने में सफल रहे हैं क्योंकि सरकार ने वजीफे की राशि कम कर दी है।

हंसराज अहीर ने मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री का विशेष आभार व्यक्त किया है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से लंबित मामलों सहित चंद्रपुर और यवतमाल जिलों में अनुमंडल अधिकारी स्तर पर दायर कई मामलों का समाधान किया गया है और कई किसानों को उनकी भूमि का स्वामित्व अधिकार मिलेगा क्योंकि भूमि को प्रथम श्रेणी में परिवर्तित किया जा रहा है।

'गोलमाल अगेन' समेत इन फिल्मों को ठुकरा चुकी हैं आलिया

आलिया भट्ट की गिनती बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में होती है. साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म स्टूडेंट ऑफ से करियर शुरू करने के बाद उन्होंने लोगों के दिलों में खूब जगह बनाई. 'राजी' और 'गंगूबाई काठियावाड़ी' जैसी फिल्मों में उन्हें काफी पसंद किया गया. आज आलिया आए दिन किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं. जहां एक तरफ उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया है तो उन्होंने कई फिल्मों के ऑफर को ठुकराया भी है. चलिए उनकी रिजेक्ट की गई पांच फिल्मों के बारे में जानते हैं.

लिस्ट में पहला नाम है साल 2017 में आई 'गोलमाल अगेन' का. रिपोर्ट की मानें तो डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने पहले इस फिल्म का ऑफर आलिया को दिया था. हालांकि, उन्होंने मना कर दिया था, जिसके बाद इसमें परिणीति चोपड़ा को कास्ट किया गया था.

इस लिस्ट में एक नाम प्रभास की फिल्म 'साहो' का भी है. बताया जाता है कि उन्हें इस फिल्म का भी ऑफर मला था, लेकिन उनके रोल को कम स्क्रीन टाइम मिलने की वजह से उन्होंने इसके लिए मना कर दिया था. बाद में श्रद्धा कपूर फिल्म का हिस्सा बनीं.

रिपोर्ट के अनुसार 300 करोड़ रुपये के बजट में बनी आमिर खान की फिल्म 'ठग्स ऑफ हिन्दुस्तान' भी आलिया भट्ट को ऑफर हुई थी. हालांकि, उन्होंने इस फिल्म में काम करने से इनकार कर दिया था.साल 2017 में सुशांत सिंह राजपूत और कृति सेनन की 'राब्ता' के नाम से एक फिल्म आई थी. रिपोर्ट की मानें तो कृति से पहले आलिया को इस फिल्म का ऑफर दिया गया था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया था.

भस्म लगाकर भगवान परशुराम बने छावा एक्टर

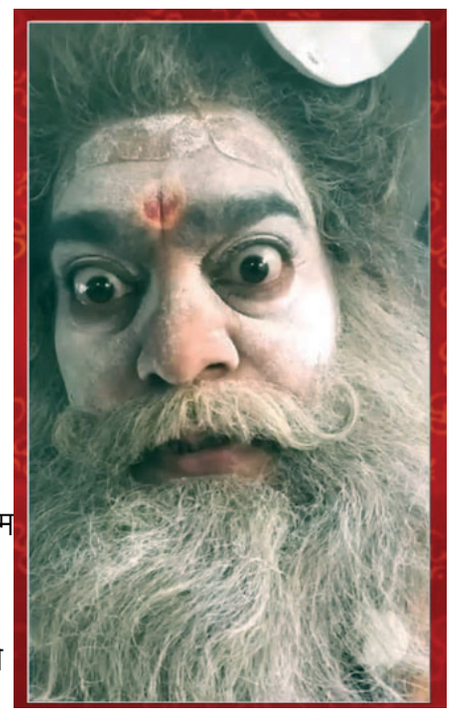

बॉलीवुड एक्टर आशुतोष राणा अपने वर्सटाइल रोल्स को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं. आशुतोष बहुत काबिल एक्टर हैं. ना सिर्फ एक्टिंग में उनका कोई तोड़ नहीं है, बल्कि उनकी हिंदी के भी लोग कायल हैं. आशुतोष ने विकी कौशल की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म छावा में हंबीराव मोहिते का यादगार किरदार निभाया था. अब आशुतोष ने भगवान परशुराम का गेटअप ले लिया है. आशुतोष को उनके पौराणिक किरदारों के लिए भी जाना जाता है. उनका हाल ही में एक वीडियो सामने आया. इस वीडियो में आशुतोष ने भगवान परशुराम का गेटअप लिया है और वो डायलॉग बोलते दिखाई दे रहे हैं. उन्होंने चेहरे पर भस्म लगा रखी है. आशुतोष ने ये वीडियो अपने इंस्टाग्राम पंचतंत्र वन पर शेयर किया है. फैंस को एक्टर का ये लुक काफी पसंद आ रहा है.

आपको बता दें कि आशुतोष ना सिर्फ फिल्मों में अपने शानदार केरेक्टर रोल्स के लिए जानें जाते हैं. बल्कि उनको थिएटर से भी काफी लगाव है. वो फिल्मों में काम तो करते ही हैं, साथ ही जब मौका मिलता है तो थिएटर प्ले का भी हिस्सा बनते हैं. हालांकि, ये नहीं पता कि आशुतोष ने परशुराम का ये गेटअप किसी स्टेज प्ले के लिए लिया है या फिर वो हमें जल्द ही किसी फिल्म में ये लार्जर देन लाइफ किरदार निभाते नजर आने वाले हैं.

आशुतोष इस वीडियो में कहते हैं- 'शस्त्रहीन हो गए हां... मेरे त्रिपुरारी...जी में तो आता है कि भूगोल उठाकर किसी सागर में आज डुबा दूं... हिमगिरी उखाड़कर मारूं खींच गगन में ये चंद्र, सूरज, तारागण सभी गिरा दूं. या अटल तलातल को लाऊं इस मही पर पैदा कर प्रबल प्रभंजन सुरमे कि तरह पीस डालूं पृथ्वी को. भृगुवंश दिवाकर अंबर में चमकाकर...'. आशुतोष ने छावा से पहले आमिर के बेटे जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म लवयापा में भी काम किया था.

फिल्म निर्माता देब मुखर्जी का 83 वर्ष की उम्र में निधन

होली के शुभ अवसर पर फिल्म निर्देशक अयान मुखर्जी के घर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनके पिता, वरिष्ठ फिल्म निर्माता देब मुखर्जी का 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इस दुखद घड़ी में बॉलीवुड के कई दिग्गज सितारे अयान को सांत्वना देने पहुंचे और नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

देब मुखर्जी के अंतिम संस्कार के दौरान रणबीर कपूर की एक भावुक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें वह अपने करीबी दोस्त अयान मुखर्जी के पिता की अर्थी को कंधा देते नजर आए। रणबीर और आलिया भट्ट होली के मौके पर अलीबाग में थे, लेकिन यह दुखद खबर सुनते ही वे तुरंत मुंबई लौट आए। रणबीर ने दोस्ती का फर्ज निभाते हुए पूरे समय अयान के साथ खड़े रहे।

देब मुखर्जी का परिवार बॉलीवुड से गहरे जुड़ा हुआ है। काजोल और अयान मुखर्जी के बीच पारिवारिक रिश्ता है, क्योंकि देब मुखर्जी उनके अंकल थे। जब जया बच्चन उनके अंतिम दर्शन के लिए पहुंचीं, तो काजोल खुद को संभाल नहीं पाईं और भावुक होकर उनके गले लगकर रो पड़ीं। इस मार्मिक क्षण का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

ऋतिक रोशन, जो हाल ही में 'वॉर 2' की शूटिंग के दौरान घायल हो गए थे, डॉक्टर द्वारा दिए गए बेड रेस्ट के निर्देशों को नजरअंदाज कर श्रद्धांजलि देने पहुंचे। वह हाथ में स्टिक लेकर अयान के घर पहुंचे और परिवार को ढांढस बंधाया।

मेनिस्कस टियर सर्जरी के बाद अब कैसे हैं फरहान अख्तर

अभिनेता फरहान अख्तर सोशल मीडिया पर अपने नए-नए पोस्ट से प्रशंसकों को रूबरू कराते रहते हैं। लेटेस्ट पोस्ट में अभिनेता ने खुलासा किया कि पिछले साल उन्हें मेनिस्कस टियर हुआ था और इस समस्या को ठीक करने के लिए दिसंबर में उनकी सर्जरी हुई थी। अपनी रिकवरी को लेकर उन्होंने कहा कि अब वह ठीक हो रहे हैं।अख्तर ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की और कैप्शन में लिखा, "जिंदगी पटरी पर लौट रही है... पिछले साल मेनिस्कस टियर हुआ था और दिसंबर में इसकी सर्जरी हुई थी। रिकवरी के बारे में मेरे किसी भी डर या आशंका को दूर करने के लिए डॉक्टर विवेक शेट्टी का धन्यवाद।" फरहान ने कहा, " मेरे शानदार ट्रेनर समीर जौरा और ड्रीयू नेल ने फिर से घुटने पर कुछ भार डालना शुरू कर दिया है और रिकवर करने के लिए मेरे मन और शरीर को वापस उस जगह पर ले जाना शुरू कर दिया है जहां मैं रहना पसंद करता हूं...उतार-चढ़ाव सफर का हिस्सा है, हमें चलते रहना है।

इस बीच अभिनेता हाल ही में 'जिंदगी को यस बोल' के लिए ऋतिक रोशन और अभय देओल के साथ नजर आए। पांच-एपिसोड की रोमांचक सीरीज है, जिसमें उनकी फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' की दोस्ती और उत्साह फिर से नजर आएगी। साल 2011 में सिनेमाघरों में आई 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' के चौदह साल बाद फरहान अख्तर, ऋतिक रोशन और अभय देओल का एक रोमांचक सीरीज के लिए फिर से साथ आना प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशखबरी है।

डेविड वॉर्नर का साउथ फिल्म से फर्स्ट लुक आउट

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर को भारतीय गानों से काफी खास लगाव है. वो अक्सर ही सोशल मीडिया पर इंडियन गाने पर रील्स बनाकर शेयर करते रहते हैं. रील्स के जरिए लोगों को एंटरटेन करने वाले वॉर्नर अब बड़े पर्दे पर फिल्म में नजर आने वाले हैं. उनकी फिल्म को लेकर पहले ही जानकारी सामने आ गई थी. अब उनका फर्स्ट लुक सामने आया है.

डेविड वॉर्नर तेलुगु भाषा की फिल्म 'रॉबिनहुड' से डेब्यू करने वाले हैं. इससे पहले उन्होंने किसी भी फिल्म में काम नहीं किया है.15 मार्च को मेकर्स ने इस फिल्म से उनका फर्स्ट लुक शेयर कर दिया है. उनका एक पोस्टर सामने आया है. पोस्टर में डेविड का अंदाज शानदार लग रहा है. वो साउथ के रंग में रंगे दिख रहे हैं.

पोस्टर पर फिल्म का नाम लिखा है. इसके अलावा उनका स्वागत करते हुए लिखा गया, "बाउंड्री से बॉक्स ऑफिस तक, इंडियन सिनेमा में डेविड वॉर्नर का स्वागत है.पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, "चमकने और ग्राउंड पर अपनी छाप छोड़ने के बाद अब बारी है सिल्वर स्क्रीन पर चमकने की."डेविड वॉर्नर इस फिल्म में फुल फ्लेज्ड रोल में नहीं हैं बल्कि वो कैमियो रोल में दिखने वाले हैं. ये फिल्म 28 मार्च को वर्ल्डवाइड रिलीज होने वाली है. पोस्टर रिलीज होने के बाद से डेविड वॉर्नर के फैंस इस फिल्म के लिए एक्साइटेड हो गए हैं. उनके फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है. देखना होगा कि पहली फिल्म के जरिए वो ऑडियंस के ऊपर कैसी छाप छोड़ते हैं.

माइथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में तेलुगु एक्टर नितिन लीड रोल में हैं. श्रीलीला भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. वेंकी कुडूमुला ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है. बहरहाल, साल 2021 में जब 'पुष्पा' का पहला पार्ट आया था तो उस समय डेविड पर भी इस फिल्म का खुमार दिखा था. वो 'पुष्पा' के अंदाज में रील्स बनाकर शेयर करते थे. अब वो खुद साउथ के रंग में रंगे जाने के लिए तैयार हैं.

आलिया के बर्थडे पर नीतू और रिद्धिमा ने शेयर की प्यारी तस्वीरें

वैसे तो आलिया और उनके परिवार के लिए ये दिन काफी खास है लेकिन आलिया और रणबीर के करीबी दोस्त और डायरेक्टर अयान मुखर्जी के पिता देव मुखर्जी के निधन की वजह से किसी भी तरह का सेलिब्रेशन नहीं हो रहा है. इसी बीच आलिया की सास नीतू कपूर और ननद रिद्धिमा कुपूर साहानी ने उन्हें खास अंदाज में विश किया है.आलिया भट्ट इस वक्त बॉलीवुड की सबसे बड़ी और सेलिब्रेटिड एक्ट्रेसिस में से एक हैं. आलिया के लाखों दीवाने हैं. आज उनका बर्थडे है और उनकी सास नीतू कपूर और

ननद रिद्धिमा कपूर ने आलिया को बहुत प्यारे तरीके से विश किया है. आलिया के लिए दोनों ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट की है, और उन्हें विश किया है.

नीतू कपूर-आलिया और रिद्धिमा एक खास बॉन्ड शेयर करती हैं. तीनों को अक्सर साथ देखा जाता है. आलिया के लिए उनकी सास और ननद दोनों ही काफी सपोर्टिव है और ये बात आलिया ने अपने कई इंटरव्यू में बताई भी है. आलिया और अपनी खूबसूरत थ्रोबैक तस्वीर शेयर करते हुए नीतू कपूर ने लिखा- हैपी बर्थडे माई गोर्जियस फ्रेंड. ये पिक बहुत प्रिशियस है, और ये हमारी साथ की पहली पिक्चर है. स्टे हैपी, स्टे ब्लैस्ड. वहीं रिद्धिमा कपूर ने भी आलिया की तस्वीर शेयर की.

रिद्धिमा ने भाभी आलिया के लिए लिखा- हैपी... हैपी बर्थडे माई डार्लिंग आलिया. लव यू मून एंड बैक. रिद्धिमा अक्सर आलिया के साथ तस्वीरों में नजर आती हैं. दोनों बहुत प्यारा बॉन्ड शेयर करती हैं. वहीं करीना कपूर ने भी आलिया को खास अंदाज में विश किया. करीना ने आलिया की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- हैपी बर्थडे टू माई फेवरेट गर्ल. सुपरस्टार लव यू टन.

आमिर की लाइफ में गौरी की हुई एंट्री

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। इस बार वजह है उनकी नई गर्लफ्रेंड गौरी, जिनके साथ वह पिछले एक साल से रिलेशनशिप में हैं। आमिर खान ने अपने 60वें जन्मदिन के मौके पर इस रिश्ते का खुलासा किया और बताया कि वह गौरी को 25 साल से जानते हैं। गौरी मूल रूप से बेंगलुरु की रहने वाली हैं और इस समय आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस में काम कर रही हैं। उनकी एक छह साल का बेटा भी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों को कई मौकों पर एक साथ देखा गया है और आमिर खान ने अपने परिवार से गौरी को मिलवा भी दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आमिर खान ने मुंबई में अपने 60वें जन्मदिन के सेलिब्रेशन के दौरान मीडिया से बातचीत में अपने रिलेशनशिप को पब्लिक किया। उन्होंने बताया कि वह पिछले एक साल से गौरी को डेट कर रहे हैं और इस रिश्ते को लेकर काफी सीरियस हैं।

आमिर खान तीसरी बार रिलेशनशिप में हैं। उन्होंने पहले रीना दत्ता से शादी की थी, जिससे उन्हें दो बच्चे-इरा और जुनैद हैं। इसके बाद उन्होंने किरण राव से शादी की, जिनसे उनका एक बेटा आजाद है। हालांकि, 2021 में किरण राव से उनका तलाक हो गया था।

आमिर खान को आखिरी बार 2022 में 'लाल सिंह चड्ढा' में देखा गया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। इसके बाद से आमिर फिल्मों से दूर हैं और अपनी पर्सनल लाइफ पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

आमिर खान और गौरी के रिश्ते को लेकर अब यह कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या वह तीसरी शादी करेंगे। हालांकि, इस पर अभी तक आमिर खान या उनके परिवार की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन इतना तय है कि आमिर इस रिश्ते को लेकर पूरी तरह गंभीर हैं और उन्होंने इसे सार्वजनिक करने का फैसला कर लिया है। बॉलीवुड फैंस अब यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि क्या आमिर खान जल्द ही शादी की घोषणा करेंगे या नहीं!

रवीना की होली पार्टी में शामिल हुए तमन्ना और विजय

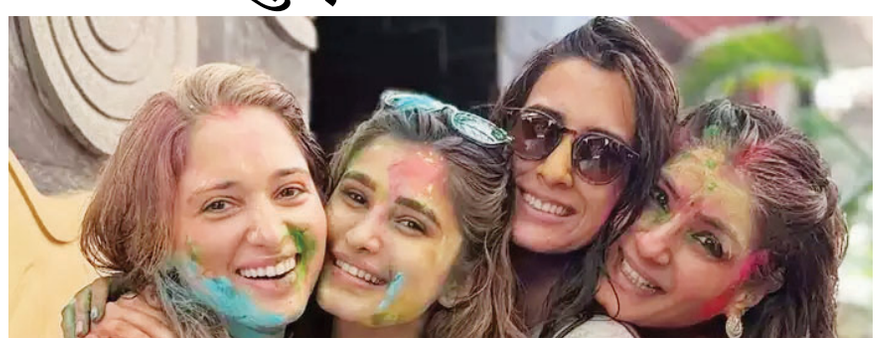

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा ने सोशल मीडिया पर अपने ब्रेकअप की अटकलों के बाद सभी को चौंका दिया है। हाल ही में दोनों रवीना टंडन और अनिल थडानी के मुंबई स्थित घर पर होली पार्टी में शामिल हुए। दोनों को रवीना की बेटी राशा थडानी के साथ त्योहार मनाते देखा गया, जिनके साथ उनका बहुत अच्छा रिश्ता है।

रंगों के उत्सव होली के त्योहार पर तमन्ना और विजय दोनों एक ही छत के नीचे थे, लेकिन उन्हें एक साथ नहीं देखा गया। दोनों अलग-अलग पहुंचे। साथ ही, सोशल मीडिया पर किसी भी तस्वीर में तमन्ना और विजय एक साथ पोज देते हुए नहीं दिखे।

तमन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पर राशा के साथ होली सेलिब्रेशन की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। राशा के साथ विजय की कुछ तस्वीरें भी इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं।

फिर भी, एक ही कार्यक्रम में तमन्ना और विजय की उपस्थिति ने प्रशंसकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। इसके अलावा राशा ने भी कुछ पिक्चर शेयर की है, जिसमें दोनों अलग-अलग दिखाई दिए।तमन्ना और विजय ने कथित तौर पर नेटफ्लिक्स की एंथोलॉजी "लस्ट स्टोरीज 2" की शूटिंग के दौरान डेटिंग शुरू की थी। गोवा में एक नए साल की पार्टी में इन दोनों को एक साथ देखे जाने के बाद उनके रिश्ते के बारे में अफवाहें फैलने लगी। हालांकि, बाद में विजय ने कहा था कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग के दौरान डेटिंग शुरू नहीं की थी।

विजय ने "लस्ट स्टोरीज 2" के बारे में बातचीत की। उन्होंने कहा कि उनकी वास्तविक जीवन की प्रेम कहानी बहुत बाद में शुरू हुई।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग

फाइनल में खेलेंगे इंडिया मास्टर्स और वेस्टइंडीज मास्टर्स

नई दिल्ली. इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का फाइनल इंडिया मास्टर्स और वेस्टइंडीज मास्टर्स के बीच खेला जाएगा। इंडिया मास्टर्स टीम का नेतृत्व भारत रत्न सचिन तेंदुलकर जबकि वेस्टइंडीज मास्टर्स टीम की कमान दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा के हाथों में हैं। प्रतियोगिता में अब तक दोनों टीमों का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। सेमीफाइनल में इंडिया मास्टर्स ने जहां ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई वहीं, वेस्टइंडीज मास्टर्स ने श्रीलंका मास्टर्स को शिकस्त देकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

वैसे यदि लीग चरण पर नजर डालें इंडिया मास्टर्स ने वेस्टइंडीज मास्टर्स को शिकस्त दी थी। हालांकि उस मुकाबले में मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने नहीं, बल्कि युवराज सिंह ने इंडिया मास्टर्स टीम का नेतृत्व किया था। ऐसे में जहां इंडिया मास्टर्स खिताब जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी, वहीं वेस्टइंडीज मास्टर्स पिछली हार से सबक लेते हुए टाइटल जीतना चाहेगी। ऐसे में दोनों टीमों के बीच रोमांचक जंग देखने को मिल सकती है। मैच 16 मार्च को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।

अब तक दोनों टीमों का प्रदर्शन शानदार रहा है। सेमीफाइनल में इंडिया मास्टर्स ने ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई, वहीं वेस्टइंडीज मास्टर्स ने श्रीलंका मास्टर्स को मात देकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। लीग चरण में इंडिया मास्टर्स ने वेस्टइंडीज मास्टर्स को हराया था, लेकिन उस मुकाबले में सचिन तेंदुलकर नहीं बल्कि युवराज सिंह ने टीम की अगुवाई की थी।

नितीश कुमार रेड्डी ने पास किया यो-यो टेस्ट

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 से पहले सनराइजर्स हैदराबाद खेमे के लिए अच्छी खबर है कि उसके स्टार ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने यो-यो टेस्ट पास कर लिया है। नेशनल क्रिकेट अकादमी से मंजूरी मिलने के बाद नितीश कुमार रेड्डी रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद कैंप में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ज्ञात हो कि जनवरी की शुरुआत में भारत बनाम इंग्लैंड टी20 इंटरनेशनल सीरीज के दौरान साइड स्ट्रेन होने के बाद से वह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब पर थे। आईपीएल 2025 में का आगाज होने में अब सिर्फ एक सप्ताह शेष है। नितीश के फिट होने की खबर से एसआरएच ने राहत की सांस ली होगी।

बता दें कि 2024 में एक स्टार के रूप में उभरने के बाद इस ऑलराउंडर ने खेल के सभी फॉर्मेट में बहुत अच्छी बल्लेबाजी करने की अपनी क्षमता से प्रभावित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। नितीश का मुख्य प्रदर्शन भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में आया, जब उन्होंने मेलबर्न में चौथे टेस्ट में 114 रनों की पारी खेलकर सभी को चौंका दिया।

रेड्डी का घरेलू खिलाड़ी से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्टार बनने तक का सफ़र प्रेरणादायक रहा है और फिटनेस और पुनर्वास पर उनका ध्यान उच्चतम स्तर पर सफल होने के उनके दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। फैंस बेसब्री से मैदान पर उनकी वापसी का इंतज़ार कर रहे हैं और उनके हालिया पोस्ट ने इस उम्मीद को और बढ़ा दिया है। बता दें कि एसआरएच 23 मार्च को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में आईपीएल 2025 के अपने पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स से भिड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नितीश कुमार रेड्डी ने बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 18.1 के स्कोर के साथ यो-यो टेस्ट पास कर लिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब वह रविवार को ही सनराइजर्स हैदराबाद के कैंप में शामिल होंगे। इससे पहले बीसीसीआई की ओर से जारी बयान में कहा गया था कि रेड्डी को 24 जनवरी को साइड स्ट्रेन की चोट लगी थी, जिसके कारण वह शेष श्रृंखला से बाहर हो गए थे।

इंग्लैंड दौरे पर रोहित शर्मा होंगे भारत के कप्तान!

नई दिल्ली.

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा जून में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम की कप्तानी कर सकते हैं। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से सीरीज हारने के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के फाइनल में जगह नहीं बना पाने के बाद हिटमैन को टेस्ट कप्तान के पद से हटाए जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने के बाद रोहित शर्मा एक बार फिर से एक बड़े दौरे में भारत की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, रोहित शर्मा को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में भारत की कप्तानी करने के लिए बीसीसीआई और चयन समिति का सपोर्ट मिल गया है। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है कि हर हितधारक को लगा कि रोहित शर्मा आगामी सीरीज के लिए टीम की कप्तानी करने के लिए सही उम्मीदवार हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि रोहित शर्मा ने दिखाया है कि वह क्या कर सकते हैं? हर हितधारक को लगता है कि वह इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम की कप्तानी करने के लिए सही उम्मीदवार हैं। रोहित ने भी लाल गेंद से क्रिकेट खेलना जारी रखने की इच्छा जताई है। बता दें कि टेस्ट कप्तान के रूप में रोहित के भविष्य को लेकर तब चर्चा तेज हो गई थी, जब उन्होंने भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के पांचवें टेस्ट की प्लेइंग इलेवन से खुद को बाहर कर लिया था।

रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया था कि चयनकर्ता उनके उत्तराधिकारी की तलाश में थे। हालांकि, भारत को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब दिलाने से रोहित अब कमान संभाल सकते हैं।

बता दें कि जनवरी की शुरुआत में हिटमैन ने स्पष्ट रूप से कहा था कि उनका टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उस समय उन्होंने बताया कि टीम से खुद को बाहर करने का उनका कदम इसलिए था, क्योंकि वह रन नहीं बना पा रहे थे। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की जीत के बाद एक बार फिर रोहित ने दोहराया कि उनका वनडे से भी संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है।

ब्राजील के स्टार नेमार को लगी चोट

नई दिल्ली. नेमार जांघ की चोट के कारण ब्राजील के विश्व कप क्वालीफायर मैचों में कोलंबिया और अर्जेंटीना के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे। ब्राजीलियाई फुटबॉल महासंघ ने उनके नहीं खेलने की पुष्टि की है। 33 वर्षीय नेमार अक्टूबर 2023 से घुटने की चोट के कारण ब्राजील के लिए नहीं खेले हैं। न्यूज एजेंसी के अनुसार, उनकी जगह युवा रियल मैड्रिड खिलाड़ी एंड्रिक को टीम में शामिल किया गया है।

नेमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर लिखा कि वापसी बहुत करीब लग रही थी, लेकिन दुर्भाग्यवश मैं फिलहाल इस खास जर्सी को पहन नहीं पाऊंगा। उन्होंने आगे कहा कि हमने लंबी बातचीत की और सभी को मेरी वापसी की इच्छा के बारे में पता है, लेकिन हमने तय किया कि कोई जोखिम न लिया जाए और पूरी तरह ठीक होने के बाद ही मैदान पर वापसी करूं।ब्राजील 20 मार्च को ब्रासीलिया में कोलंबिया से और पांच दिन बाद ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना से भिड़ेगा। बता दें कि पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील की टीम 12 मैचों में 18 अंकों के साथ 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में पांचवें स्थान पर है। वहीं, अर्जेंटीना 25 अंकों के साथ पहले स्थान पर है।जनवरी में अल-हिलाल को छोड़कर अपने पहले क्लब सैंटोस लौटने के बाद से नेमार ने अच्छा प्रदर्शन किया है। सात मैचों में उन्होंने तीन गोल किए हैं, जिनमें एक शानदार कॉर्नर से सीधा गोल भी शामिल है। साथ ही उन्होंने तीन गोलों में सहयोग भी दिया है।सीबीएफ ने यह भी घोषणा की कि लियोन के गोलकीपर लुकास पेरी और फ्लेमेंगो के डिफेंडर एलेक्स सैंड्रो को मैनचेस्टर सिटी के एडर्सन और फ्लेमेंगो के डिफेंडर दानीलो की जगह ब्राजील की टीम में लिया गया है। एंड्रिक, जो अब तक ब्राजील के लिए 13 मैच खेल चुके हैं और तीन गोल दाग चुके हैं, इस सीजन में रियल मैड्रिड के लिए 28 मैचों में छह गोल कर चुके हैं।

ऋषभ पंत व रवि बिश्नोई ने जम कर खेली होली

लखनऊ. लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) ने होली का त्योहार इस बार खास देसी अंदाज में मनाया। न केवल एक दूसरे को रंग व गुलाल लगाया, बल्कि फिल्मी गानों पर डांस करके जमकर मस्ती की।

मुख्य कोच जस्टिन लैंगर व सहायक कोच लांस क्लूजनर तो इन गानों पर देर तक थिरकते रहे। कप्तान ऋषभ पंत, स्पिनर रवि बिश्नोई ने साथियों को पकड़ पकड़ कर रंगों में सराबोर कर दिया। मेंटर जहीर खान और सहायक कोच विजय दहिया ने भी पिचकारी से रंगों की बौछार की और खूब गुलाल उड़ाया।

टीम होटल में होली खेलने की शुरुआत दोपहर 12 बजे हुई। क्रिकेटरों के उल्लास को बढ़ाने के लिए डीजे और ढोल नगाड़ों का इंतजाम पहले ही कर लिया गया था। खिलाड़ियों ने पहले सादगी से एक दूसरे को गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं, लेकिन जैसे ही टीम के कप्तान ऋषभ पंत और रवि बिश्नोई आए तो उन्होंने होली की मस्ती को चौगुना कर दिया।

टीम के सभी साथियों को पकड़कर जमकर रंग व गुलाल लगाया। आयुष बडोनी, अर्शीन कुलकर्णी, हिम्मत सिंह, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, आर्यन जुयाल, दिग्वेश सिंह, युवराज चौधरी समेत सभी खिलाड़ी रंग में डूबे नजर आए।

खुशी के इस अवसर पर टीम के भीतर मजबूत बंधन और आगामी सीजन के लिए उच्च उत्साह का संचार हुआ। यही नहीं होली खेलने के साथ ही सुपर जायंट्स ने लजीज पकवानों के साथ गुजिया, जलेबी का भी स्वाद लिया।

लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में हारकर टूर्नामेंट से हुए बाहर

नई दिल्ली. भारत के लक्ष्य सेन इंग्लैंड के बर्मिंघम में ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टर फाइनल में 2022 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता चीन के ली शिफेंग से सीधे गेम्स में हारकर बाहर हो गए। पिछले दौर में डिफेंडिंग चैंपियन इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी के खिलाफ पुरुष एकल में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले 23 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी शिफेंग के खिलाफ उस फॉर्म को दोहराने में संघर्ष करते दिखे। दुनिया में 15वें नंबर के खिलाड़ी सेन को 45 मिनट तक चले मुकाबले में 10-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

चीनी खिलाड़ी ने शुरू से ही बेहतरीन नियंत्रण और आक्रामकता दिखाई। पहला गेम एकतरफा रहा, जिसमें शिफेंग ने शुरुआती बढ़त हासिल की और फिर लगातार 9 अंक लेकर 21-10 से गेम अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे गेम में सेन ने अपनी लय हासिल कर ली और वापसी करते हुए इंटरवल पर 11-9 की बढ़त बना ली। उनके बेहतर शॉट प्लेसमेंट और नेट प्ले ने कुछ समय के लिए शिफेंग पर दबाव बनाया, लेकिन चीनी शटलर ने जल्दी ही अपना संयम वापस पा लिया, और दूसरा गेम 21-16 से जीतकर मैच अपने नाम किया।

इस हार के साथ बर्मिंघम में भारत का एकल अभियान समाप्त हो गया। लक्ष्य सेन ने शिफेंग के खिलाफ निरंतरता बनाए रखने के लिए संघर्ष किया,

जिससे उनके प्रतिद्वंद्वी ने मैच के बड़े हिस्से में नियंत्रण अपने पास रखा। सेन लगातार दूसरी बार ऑल-इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह 2024 में भी यहां तक पहुंचे थे।

दूसरी ओर महिला एकल स्पर्धा में मालविका बंसोड़ प्री-क्वार्टर फाइनल में हार गईं। उन्हें दो बार की विश्व चैंपियन जापान की अकाने यामागुची से सीधे गेम्स में हार का सामना करना पड़ा। दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी यामागुची ने मालविका को मात्र 33 मिनट में 21-16, 21-13 से हराकर आसान जीत दर्ज की।

अली आगा के नेतृत्व में टी20 सीरीज खेलने न्यूजीलैंड जायेगा पाकिस्तान

क्राइस्टचर्च. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान अब पांच टी20 और तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगा। अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप और इस साल के अंत में होने वाले एशिया कप को देखते हुए पाकिस्तान ने नवनियुक्त कप्तान सलमान अली आगा की अगुआई में युवा टी20 टीम चुनी है। पाकिस्तान चोट के कारण सैम अयूब और फखर जमान के बिना खेलेगा। टीम में तीन अनकैप्ड खिलाड़ी अब्दुल समद, हसन नवाज और मोहम्मद अली को शामिल किया गया है, जिन्होंने हाल ही में घरेलू टूर्नामेंटों में प्रभावशाली प्रदर्शन के बूते राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। सीरीज से पहले टीम के बारे में बात करते हुए आगा ने कहा, हमारी टीम में कुछ युवा खिलाड़ी हैं और यह उनके लिए घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कप्तान के रूप में अपनी पहली सीरीज में जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तान को 2-1 से सीरीज में जीत दिलाने वाले आगा ने न्यूजीलैंड दौरे से पहले आत्मविश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा, " टीम की तैयारी अच्छी चल रही है और हम न्यूजीलैंड में बेहतर परिणाम देने की कोशिश करेंगे। दोनों टीमों के बीच अब तक हुये 44 टी20 मैचों में, पाकिस्तान के पक्ष में 23 मैच गये हैं.

सभी 10 टीमों के कप्तान हुए कन्फर्म

नई दिल्ली. कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच 22 मार्च को ईडन गार्डन में होने वाले मुकाबले के साथ आईपीएल 2025 का आगाज होगा। आईपीएल के 18वें सीजन में 13 शहरों में कुल 74 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें 12 डबल हेडर होंगे। इसके लिए प्रतियोगिता की सभी टीमें अपनी-अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी हुई हैं। ऐसे में आईपीएल के मौजूदा सीजन के लिए सभी टीमों की ओर से कप्तान को लेकर स्पष्ट तस्वीर सामने आ गई हैं।

रुतुराज गायकवाड़ ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए कुल 14 मैचों में कप्तानी की, जिसमें टीम को 7 मैच में जीत और 7 मैच में हार का सामना करना पड़ा है। वह इस बार भी सीएसके टीम का नेतृत्व करते हुए नजर आएंगे।

अक्षर पटेल टी-20 क्रिकेट में कप्तानी करने के लिए नए नहीं हैं। उन्होंने 2018 से 2024 तक 16 टी-20 मैचों में गुजरात टाइटन्स टीम का नेतृत्व किया है, जिनमें से 10 में उन्हें जीत मिली है। उन्होंने 12 मई 2024 को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ एक बार दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व किया था। दिल्ली कैपिटल्स को इस मैच में 47 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

भारतीय टीम के ओपनर और उप-कप्तान शुभमन गिल ने आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटंस टीम का नेतृत्व कर चुके हैं। उनकी कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने कुल 12 मैच खेले, जिसमें टीम 5 मैच में जीत जबकि 7 मुकाबले में हार मिली।अंजिक्य रहाणे ने टी-20 क्रिकेट में कप्तानी में नए नहीं है। वह आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स के लिए कप्तानी की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उन्होंने आईपीएल में कुल 25 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से 9 में जीत और 16 में हार मिली है। आईपीएल 2025 में एलएसजी ने ऋषभ पंत को कप्तान बनाया है। इससे पहले वह आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 2021 से 2024 तक 43 मैचों में कप्तानी की, जिसमें 23 में जीत और 19 मैच में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि एक मैच टाई रहा।

आईपीएल 18 के शुरुआती मैचों से ये प्लेयर हो सकते हैं बाहर

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन की शुरुआत 22 मार्च से कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होने वाले मुकाबले के साथ होगी।

इस बार भी कई फ्रेंचाइजी अपने प्रमुख खिलाड़ियों के बगैर खेलने उतरेंगी। शुरुआती कुछ मैचों में कई टीमों के खिलाड़ी चोट या व्यक्तिगत कारणों की वजह से नहीं खेल सकेंगे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, एनरिक नॉर्खिया और मयंक यादव जैसे तेज गेंदबाज अलग-अलग समस्याओं के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हो सकते हैं।

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब भी पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर रहे हैं, जिसके कारण वह जनवरी से ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हैं। बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जनवरी में सिडनी में खेले गए पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन चोटिल हो गए थे और वह दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने उस मैच में छह विकेट से जीत हासिल की थी।

इसी तरह कोलकाता नाइट राइडर्स तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया की फिटनेस को लेकर टेंशन में है। एनरिक भी बैक इंजरी से जूझ रहे हैं और चैंपियंस ट्रॉफी का हिस्सा नहीं थे।

लखनऊ सुपर जायंट्स के मिचेल मार्श और मयंक यादव को लेकर भी संशय बरकरार है। आरसीबी के लिए जोश हेजलवुड और जैकब बेथेल का खेलना संदिग्ध है। हार्दिक पांड्या मुंबई के लिए पहला मैच नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उन पर एक मैच का प्रतिबंध लगा हुआ है।

सुविचार

जो सब्र के साथ इंतजार करना जानते हैं, उनके पास हर चीज किसी न किसी तरीके से पहुंच जाती है।

नींद की शक्ति: आपकी सेहत पर गहरा प्रभाव

डॉ. अमित भट्टी, इंटरवेंशनल न्यूरोलॉजिस्ट, वोक्हार्ट हॉस्पिटल, नागपुर का संदेश

विश्व निद्रा दिवस के अवसर पर, डॉ. अमित भट्टी, इंटरवेंशनल न्यूरोलॉजिस्ट ने नींद के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि नींद केवल शारीरिक विश्राम नहीं है, बल्कि यह हमारी मानसिक और भावनात्मक सेहत के लिए भी बेहद जरूरी है।डॉ. भट्टी के अनुसार, "नींद के दौरान मस्तिष्क महत्वपूर्ण जैविक प्रक्रियाओं को अंजाम देता है, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बनाए रखने में मदद करते हैं। अगर नींद में कमी होती है, तो इससे मानसिक स्वास्थ्य, याददाश्त और शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है।"नींद की कमी से अल्जाइमर, डिमेंशिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा, यह मोटापा, उच्च रक्तचाप और टाइप 2 डायबिटीज का कारण बन सकता है। मानसिक स्वास्थ्य पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ता है, जिससे चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं और बढ़ सकती हैं। अच्छी नींद के लिए उपाय: नियमित सोने का समय: हर दिन एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें। आरामदायक माहौल: सोने के कमरे में अंधेरा और ठंडा वातावरण रखें। स्क्रीन टाइम कम करें: सोने से कम से कम एक घंटे पहले मोबाइल, लैपटॉप और टीवी का उपयोग बंद करें। शारीरिक और मानसिक विश्राम: योग, ध्यान और हल्का व्यायाम करने से नींद में सुधार होता है। सही खानपान: सोने से पहले भारी भोजन और कैफीन से बचें। डॉ. भट्टी ने अंत में कहा, "नींद कोई विलासिता नहीं है, बल्कि यह हमारी सेहत और जीवन के लिए जरूरी है। यदि हम अपनी नींद की आदतों में सुधार करते हैं तो हमारा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।"स्वस्थ जीवन के लिए नींद को प्राथमिकता देना जरूरी है। नींद की शक्ति को समझकर, हम अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकते हैं।

तरावीह की रूह को सामने रखें

डॉ.मुहियुद्दीन ग़ाज़ी

सहाबा के ज़माने में असल तवज्जो इस पर होती थी कि माहे-रमज़ानकी रातों का ज़्यादातर हिस्सा नमाज़ पढ़ते गुज़ारा जाए। नमाज़ में तवील क़याम करने वाले आठ रकअत पढ़ते थे, मुख़्तसर क़याम करने वाले बीस रकअत पढ़ते थे। मज़ीद मुख़्तसर क़याम करने वाले 36 रकअत भी पढ़ लेते थे। सबका लक्ष्य एक होता था कि रात का बड़ा हिस्सा इबादत में गुज़रे। अब सुरतेहाल यह है कि आठ रकअत पढ़ने वाले हों या बीस रकअत पहने वाले, थोड़े से वक्त में सब लोग फ़ारिग़ हो जाते हैं और फिर अक्सर लोग समझते हैं कि क़यामुल लैल का हक़ अदा हो गया। तादाद के मसले से आगे बढ़कर क़यामुल लैल की इस रूह को आम करने की जिम्मेदारी उन तमाम लोगों पर आयद होती है जो नबी की सन्नतो को आम करने का जज़्बा रखते हैं। हर साल माहे-रमज़ान शुरू होते ही उम्मत में यह झगड़ा शुरू हो जाता है कि मसनून तरावीह आठ रकअत है या बीस रकअत। चूंकि तरावीह दौरे अव्वल से बीस भी होती आई है और आठ भी, इसलिए तरावीह जैसे अवामी अमल के सिलसिले में पीछे से लगातार होते चले आ रहे अमल (तवातुरे अमली) की रौशन और मज़बूत दलील से साबित होता है कि सुन्नत में दोनों के लिए गुंज़ाइश रखी गई है और इस गुंज़ाइश को बाक़ी रखने ही में ख़ैर और भलाई है। यह मानने और मनवाने से कोई फायदा नहीं बल्कि सरासर नुक़सान ही होगा कि इतनी बड़ी उम्मत दौरे अव्वल से अपने रसूल की सुन्नत के सिलसिले में ग़फ़लत और लापरवाही बरतती चली आई है। तरावीह की तादाद के सिलसिले में मुताला करते हुए अल्लामा इब्ने-तैमिया का एक जुमला मेरी नज़र से गुज़रा और मैंने इसे हिकमत का मोती समझ कर अपने दिल में महफूज़ कर लिया। अल्लामा ने तरावीह के सिलसिले में तीन रायों का ज़िक्र करने के बाद कहा, "सही बात यह है कि सब राय अच्छी हैं। मैं समझता हूँ कि अल्लामा इब्ने-तैमिया का यह जुमला इत्तेहादे उम्मत की तदबीरी कोशिशों के लिए नक़्शे राह बन सकता है। बहुत सारे इख़्तिलाफ़ी मसायल ऐसे भी हैं जिनमें हर राय के हक़ में मज़बूत दलीलें होती हैं, लेकिन कुछ लोगों की यह कोशिश होती है कि अपनी राय कि दलीलों को मज़बूत और अन्य सभी रायों कि दलीलों को कमज़ोर साबित करें। इससे किसी एक राय पर इत्तिफ़ाक़ तो दूर की बात है आपस में इख़्तिलाफ़ ज़्यादा बढ़ जाते हैं। सुन्नत पर अमल करने का जज़्बा बेशक क़ाबिले तारीफ़ है लेकिन यह साबित करने का जज़्बा क़ाबिले-तारीफ़ नहीं है कि सुन्नत पर अमल पैरा सिर्फ़ मैं हूँ बाक़ी सब सुन्नत से दूर हैं। जहां तक मुमकिन हो कोशिश करें कि मस्जिदों में इत्मिनान के साथ तरावीह पढ़ने का माहौल बने। कुरआन मजीद की क़िरत शानदार हो, रुकू और सज्दे भी इत्मिनान के साथ किए जाएं।

रमज़ानुल मुबारक की सबसे महत्वपूर्ण नमाज़: तरावीह की नमाज़

रमज़ानुल मुबारक की सबसे महत्वपूर्ण नमाज़ - तरावीह की नमाज़ है और यह नमाज़ एक पुष्ट सुन्नत की हैसियत रखती है, हदीस में आता है कि जिसने रमज़ान के रोज़े रखे और क़यामे रमज़ान किया, ईमान की हालत में और पारलौकिक पुरस्कार (सवाब) की नियत से, उसके पिछले पाप क्षमा कर दिए जाएंगे। इस हदीस में क़यामे रमज़ान की विशेष नमाज़ यानी तरावीह की नमाज़ बताया गया है। इससे तरावीह की नमाज़ पर ज़ोर और उसके महत्व का पता चलता है, क्योंकि आप मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने क़यामे रमज़ान के रोज़ों को सियामे रमज़ान के साथ ज़िक्र फ़रमाया है। तरावीह एक सुन्नत है, शरीयत में यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण और नेक अमल है, इसी कारण सभी मस्जिदों में इसका आयोजन किया जाता है। रमज़ानुल मुबारक महीने के दौरान आस्थावान लोग इबादत , तपस्या और नमाज़ के विभिन्न और व्यापक कृत्यों के माध्यम से अपने निर्माता के साथ अत्यधिक निकटता प्राप्त करते हैं। वे अपनी आध्यात्मिक यात्रा के सभी गंतव्यों तक शीघ्रता से पहुंच जाते हैं, जिन्हें वे वर्ष के शेष ग्यारह महीनों के दौरान सांसारिक भौतिक लक्ष्यों में व्यस्त रहने के कारण प्राप्त करने में चूक और दुश्वारियां होती थीं। इस मुबारक महीने के दौरान की जाने वाली विविध एवं बहुआयामी इबादतों में से सबसे महत्वपूर्ण, विशिष्ट एवं महत्वपूर्ण इबादत तरावीह की नमाज़ है। दिन में रोज़ा और रात में तरावीह की नमाज़ रमज़ानुल मुबारक के इबादत के दो महत्वपूर्ण और प्रमुख कार्य हैं।यानी जहां दिन में रोज़े की व्यवस्था है, वहां रात में भी तरावीह पढ़नी चाहिए। रोज़े और तरावीह की महत्ता, उपयोगिता, आवश्यक और पूरक स्थिति को उजागर करने के लिए हदीसों में दो समानार्थी शब्दों, "रोज़ा और खड़े रहना" का प्रयोग किया गया है। सयाम का मतलब है रोज़ा और क़ियाम का मतलब है तरावीह, मानो रोज़ा और तरावीह दोनों एक ही हैं। इसलिए तरावीह रोज़ो का एक अभिन्न अंग है। अल्लाह के रसूल हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम के सही मार्गदर्शित खलीफाओं और साथियों (रज़ि) के समय से हर युग और रमजान के महीने के दौरान तरावीह का अमल नियमित रूप से और लगातार किया जाता रहा है। अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की कई हदीसों में तरावीह की खूबियों, बरकतों और महत्व का बयान मिलता है और तरावीह के एक पुष्ट सुन्नत होने पर आम सहमति मिलती है। हज़रत अबू हुरैरा रज़ि ने बताया कि अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया कि "जो कोई भी विश्वास और ईमान के साथ रमज़ान की रातों में नमाज़ में खड़ा होगा, उसके सभी पिछले और वर्तमान पाप क्षमा कर दिए जाएंगे।" (रियाज़ुस्सलीहीन), हज़रत अबू हुरैरा रज़ि से वर्णित एक और रिवायत इस प्रकार से मिलती है कि "अल्लाह के रसूल हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम हमें रमज़ान की रातों में तरावीह की नमाज़ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते थे।" (रियाज़ुस्सालिहीन), एक स्पष्टीकरण के रूप में हज़रत ज़ैद बिन साबित रज़ि से वर्णित है कि "जब पैग़म्बर मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने तरावीह के लिए साथियों रज़ि के उत्साह और तरावीह की प्रार्थना में उनकी बड़ी भागीदारी को देखा, तो आप सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम तरावीह के दायित्वू के बारे में चिंतित हो गए, और उन्होंने हमसे कहा कि 'यदि तरावीह की नमाज़ आप लोगों पर अनिवार्य कर दी गई, तो आप इसे अदा नहीं कर पाओगे।' इसलिए पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने तरावीह की जमात में भाग लेना बंद कर दिया और साथियों रज़ि से कहा कि वे इसे घर पर ही अदा करें। " (मिश्कात शरीफ़) उनके मना करने के बाद भी सहाबा ने व्यक्तिगत रूप से तरावीह की नमाज़ अदा करना जारी रखा। एक बार पैगंबर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने कुछ सहाबा को हज़रत उबैय बिन काब के नेतृत्व में पैग़म्बर की मस्जिद में तरावीह की

नमाज़ अदा करते देखा और उन्होंने इस पर अपनी खुशी का इज़हार किया और सहाबा के इस समूह की प्रशंसा की। (हयातुस्ससहाबा, खंड 3, पृष्ठ 219, इसलिए हज़रत उमर (र.अ.) ने सहाबा (र.अ.) के इन अलग-अलग समूहों को एक बड़े समूह में इकट्ठा किया। जिसकी इमामत हज़रत उबैय बिन कअब ने की। सभी महान साथियों (अल्लाह उनसे प्रसन्न हो) ने हज़रत उमर के कार्य का समर्थन किया और उससे सहमत हुए। इस प्रकार, सहाबा ने अनुशासन के साथ तरावीह की नमाज़ अदा करना जारी रखा। हज़रत उमर (र.अ.) के निधन के बाद, हज़रत अली (र.अ.) ने उनके कार्य की प्रशंसा की और कहा, "अल्लाह हज़रत उमर (र.अ.) की कब्र को रोशनी से भर दे, जैसे उन्होंने हमारी मस्जिदों को कुरान की रोशनी से भर दिया।" (सहयोगियों की जिंदगी) तरावीह की नमाज़ का वास्तविक महत्व और उपयोगिता यह है कि तरावीह कुरान को समझने और कुरान के प्रचार के लिए तैयारी करने का एक सतत आंदोलन है, जिसका एक रिफ्रेशर कोर्स हर साल रमज़ान में उम्मत के लिए आयोजित किया जाता है। पवित्र कुरान मानव जाति के लिए एक संपूर्ण जीवन संहिता और प्रणाली है। हम जानते हैं कि तरावीह की नमाज़ के दौरान कमोबेश 27 दिनों तक इस जीवन संहिता को पढ़ने और समझने का उद्देश्य यह है कि हम जीवन के कर्तव्यों से अवगत हो जाएं और इस जागरूकता अभियान के बाद हमारे जीवन का हर कदम इसके अनुरूप उठाया जाए। पवित्र क़ुरआन का अवतरण रमजान के महीने में ही हुआ था, इसलिए यह क़ुरआन के अवतरण के जश्न का महीना भी है और तरावीह की नमाज इस जश्न को पूरा करती है। आजकल कुछ लोग, पांच-दिवसीय या दस-दिवसीय तरावीह की नमाज़ों की तलाश में रहते हैं और वे तरावीह के इन पांच या दस दिनों के दौरान पवित्र क़ुरआन सुनते हैं और फिर तरावीह के बाकी दिनों से छुट्टी ले लेते हैं। यद्यपि रमज़ानुल मुबारक के बाकी दिनों में तरावीह को नहीं छोड़ा जाना चाहिए। तरावीह में लापरवाही और आलस्य के अलावा यह भी एक आम बात है कि जब रमज़ानुल मुबारक शुरू होता है और तरावीह शुरू होती है तो मस्जिदों में ईशा की नमाज़ और तरावीह में बैठने के लिए जगह नहीं बचती। मस्जिदें खचाखच भरी होती हैं। दूसरी या तीसरी तरावीह में नमाज़ियों की संख्या वही रहती है, लेकिन कुछ ही दिनों में तरावीह की नमाज़ में नमाज़ियों की संख्या क्रमशः घटने लगती है। इस पर ध्यान देने तथा उन्हें दूर करने के लिए प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। ताकि रमज़ान के पवित्र महीने में इस महान इबादत के सवाब के हकदार सभी लोगो बन सकें। नमाज़ियों की संख्या में कमी से कहीं ऐसा न हो कि यह इबादत हमें सवाब के बजाय फटकार और सज़ा का हकदार बना दे। तरावीह की नमाज़ों की अदायगी से उसके अज्र में बढ़ोतरी होगी, इसका आयोजन में विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि रमज़ानुल मुबारक की नेमतों से पूरा फ़ायदा उठाया जा सके।

डॉ.एम. ए. रशीद मीडिया सेक्रेटरी, जमाअ़त ए इस्लामी हिंद नागपुर

गर्मियों में स्टाइलिश और कूल लुक

मौसम बदल गया और इसी के साथ ही अपने लुक में भी बदलाव करने की जरूरत है. गर्मियों ने दस्तक दे दी है और ऐसे में लोग कंफर्ट के साथ-साथ स्टाइलिश आउटफिट की तलाश में रहते हैं. गर्मियों में ज्यादा आउटफिट लुक को भी अनकंफर्टेबल कर देता है. वैसे भी आजकल लोग सेलेब्स के लुक को रीक्रिएट करना ज्यादा पसंद करते हैं. लुक्स की बात करें तो बॉलीवुड सेलिब्रिटीज हमेशा से ही नए ट्रेंड सेट करती आई हैं. इसीलिए आज इस आर्टिकल में, हम आपके लिए बॉलीवुड सेलिब्रिटीज से इंस्पायर्ड कुछ आइकॉनिक लुक्स लेकर आए हैं. इन्हें आप समर सीजन में आसानी से पहन सकती हैं. बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपने लुक्स के चलते खूब चर्चा में रहती हैं. उनका ये बेसिक व्हाइट शर्ट के साथ डेनिम जींस लुक ही देख लीजिए. उनकी आउटफिट काफी सिंहपल लेकिन एलिगेंट लग रही है. अगर आप समर्स में कूल और कंफर्टेबल लुक चाहती हैं तो कुछ इस तरह की स्टाइल कैरी कर सकती हैं. बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन भी फैंस को स्टाइल गोल्स देते नजर आ रही हैं. इस फोटो में उन्होंने फ्लोरल प्रिंट्स के साथ लूज हॉफ स्लीव्स इस लॉन्ग व्हाइट ड्रेस कैरी की है.प्लंजिंग नेकलाइन वाली उनकी ड्रेस काफी कंफर्टेबल लग रही है. इसके साथ, आप मिनिमल गोल्ड एक्सेसरीज कैरी कर सकती हैं. एक्ट्रेस तान्या मानिकतला का ये लुक बेहद सिंपल और एलिगेंट लग रहा है. उन्होंने व्हाइट साड़ी को बेसिक ब्लाउज के साथ स्टाइल किया है. आप चाहें तो साड़ी को व्हाइट क्रॉप टॉप के साथ स्टाइल कर सकती हैं. आप चाहें तो तान्या की तरह चोकर सेट पहन सकती हैं. संजीदा शेख अपने एथनिक लुक्स के चलते खूब सुर्खियों में रहती हैं. इस तस्वीर में उन्होंने व्हाइट और इंडिगो कलर का प्रिंटेड कॉटन लहंगा चोली पहना है. वहीं, सिल्वर ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी उनके लुक को कंपलीट कर रही है. गर्मियों में ये ड्रेस किसी भी फंक्शन के लिए परफेक्ट ऑप्शन होगी. इसके साथ आप ग्लोइंग मेकअप कर सकती हैं.

ईईसीपी ट्रीटमेंट से मिली नई जिंदगी

डॉक्टरों ने कहा दो महीने भी मुश्किल- बाईपास करना भी था असंभव

डॉ. सचिन देव्हारे
संचालक
प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजिस्ट और मुग्धा ईईसीपी हार्ट केयर सेंटर

नागपुर. ताजनगर तुकडोजी चौक निवासी शकील शैख़ को हार्ट अटैक के बाद एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। एंजियोग्राफी के दौरान पता चला कि उनके हृदय की तीनों नलिकाएं 90 से 100% तक अवरुद्ध हो चुकी हैं। नलिकाओं में रुकावट डिफ्यूज रूप से फैली थी, और उनका हृदय केवल 20% पंपिंग कर रहा था। इस गंभीर स्थिति के कारण डॉक्टरों ने बाईपास सर्जरी असंभव बताई. शेख और उनके परिवार ने नागपुर के कई प्रसिद्ध कार्डियक सर्जनों से परामर्श किया, लेकिन उनकी हालत अत्यधिक नाजुक होने के कारण कोई भी ऑपरेशन की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहता था। इसी दौरान विम्स हॉस्पिटल के कार्डियक सर्जन डॉ. आशिष बद्धखल के मार्गदर्शन में उन्हें डॉ. सचिन देव्हारे के मुग्धा ईईसीपी हार्ट केयर सेंटर में इलाज कराने की सलाह दी गई। ईईसीपी ट्रीटमेंट से मिली नई जिंदगी: ईईसीपी (एनहांस्ड एक्सटर्नल काउंटर पूल्सातिओं) एक यूएसएफडीए मान्यता प्राप्त एलोपैथिक उपचार है, जो उन मरीजों के लिए फायदेमंद होता है जिनका बाईपास या एंजियोप्लास्टी संभव नहीं होती। यह उपचार हृदय में रक्त संचार बढ़ाकर मरीज की स्थिति में सुधार लाने में मदद करता है।

Dr Devhare's
US-FDA Approved
MUGDHA EECP & HEART CARE CENTER
"A Non Invasive Treatment For Coronary Artery Disease"

परिवार ने डॉक्टर सचिन देव्हारे से परामर्श लेने के बाद मुग्धा ईईसीपी हार्ट केयर सेंटर में इलाज शुरू किया। शुरुआत में शकील शेख 20 कदम भी नहीं चल पा रहे थे, सांस लेने में तकलीफ और सीने में दर्द बना रहता था। लेकिन 10-12 दिनों के भीतर ही उनकी हालत में सुधार दिखने लगा। 50 ईईसीपी सेशंस और 20 एसीटी इंजेक्शन के बाद उनकी रिपोर्ट में हृदय का रक्त संचार बढ़ा हुआ पाया गया और पंपिंग क्षमता 45% तक बढ़ गई। अब स्वस्थ जीवन जी रहे हैं. शकील शेख: डॉक्टरों द्वारा मात्र दो महीने की जीवन अवधि बताए जाने के बावजूद, शकील शेख अब बिना किसी परेशानी के अपने रोजमर्रा के काम कर रहे हैं।

वे सीढ़ियां चढ़ उतर सकते हैं. सुबह की सैर कर सकते हैं और सामान्य जीवन बिता रहे हैं। उनकी पत्नी और परिवार ने डॉ. सचिन देव्हारे, डॉ. रीता देव्हारे और मुग्धा ईईसीपी टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अन्य हृदय रोगियों से बिना ऑपरेशन, बिना एंजियोप्लास्टी पहले ईईसीपी ट्रीटमेंट का परामर्श लेने की अपील की। ईईसीपी: बिना ऑपरेशन हृदय रोग का प्रभावी इलाज: यह मामला उन सभी हृदय रोगियों के लिए एक उम्मीद की किरण है. जिनका बाईपास या एंजियोप्लास्टी संभव नहीं है। ईईसीपी ट्रीटमेंट ने साबित कर दिया है कि बिना ऑपरेशन भी हृदय रोग का सफल इलाज किया जा सकता है।

वास्तु के इन उपायों से आती है घर में सुख-शांति

वास्तु दोष की समस्याओं से छुटकारे के लिए सर्वप्रथम घर का वास्तु सही रखाना चाहिए. वास्तु सही रखने के लिए घर में हर रोज सुबह मंदिर में धूप जलाना चाहिए. इससे घर में पॉजिटिविटी रहती है. घर को हमेशा साफ रखाना चाहिए. कहते हैं कि जो घर साफ नहीं रहता वहां मां लक्ष्मी वास करना पसंद नहीं करतीं. घर साफ रखने से नेगिटिव एनर्जी दूर रहती है.

नेगिटिव एनर्जी के दूर रहने से घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ती है. घर में तुलसी लगाना भी वास्तु दोष के लिए लाभदायक होता है. मान्यताओं के अनुसार, तुलसी लगाने से घर का वास्तु दोष दूर होता है. माता तुलसी नेगिटिव एनर्जी का नाश कर देती हैं. माता तुलसी घर में पॉजिटिव एनर्जी भरती हैं. इसे लगाने से घर में होने वाले कलेश भी खत्म हो जाते हैं. अगर आपके घर में भी अक्सर लड़ाई-झगड़े होते हैं, तो रात्रि में सोने से पहले पीतल के बर्तन में कपूर जलाना और उसे पूरे घर में दिखाना लाभकारी हो सकता है. इस उपाय को करने से घर में सुख- शांति आती है. घर का स्वामी पीपल के पेड़ को माना जाता है. घर के लड़ाई-झगड़े समाप्त करने के लिए पीपल के पेड़ की सेवा की जानी चाहिए. घर के नजदीक इसका पौधा लागाना चाहिए और देखभाल की जानी चाहिए. ऐसा करने से देवता घर के सदस्यों पर अपनी कृपा बनाए रखते हैं. घर के प्रमुख द्वार पर हल्दी के पानी के छींटें मारने चाहिए. फिर द्वार के दोनों ओर जल बहाना चाहिए. इससे घर की जो नेगिटिव एनर्जी होती है, उसके प्रभाव में कमी आती है. हल्दी का पानी घर के वास्तु दोष को दूर करने में सहायक सिद्ध होता है.

चिलचिलाती धूप में भी चमकेगा चेहरा

हर कोई चाहता है कि उसकी स्किन खूबसूरत, चमकदार और बेदाग नजर आए, लेकिन गर्मियों की चिलचिलाती धूप, पसीना और धूल-मिट्टी से स्किन डल और टैन हो जाती है। ऐसे में महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने के बजाय, प्राकृतिक और घरेलू उपाय अपनाना ज्यादा फायदेमंद साबित होता है। नेचुरल फेस मास्क स्किन को गहराई से पोषण देते हैं और उसे हेल्दी व ग्लोइंग बनाए रखते हैं। आइए जानते हैं, इन 4 असरदार फेस मास्क के बारे में जो आपकी स्किन को धूप में भी चमकदार बनाएंगे और टैनिंग जैसी समस्याओं से राहत दिला सकती हैं। दही और हल्दी फेस मास्क दही और हल्दी का मिश्रण त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो त्वचा को एक्सफोलिएट करके दाग-धब्बों को हल्का करता है।

हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो स्किन को साफ और चमकदार बनाते हैं। यह फेस मास्क स्किन को गहराई से साफ करने के साथ-साथ उसे नमी भी प्रदान करता है। 1. इसे बनाना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले आप 2 चम्मच दही में 1/2 चम्मच हल्दी मिला लें। 2. इसके बाद इसे चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें। 3. आप चाहे तो इसे हफ्ते में दो बार लगा सकती हैं। इससे स्किन में ग्लो आएगा। 2. एलोवेरा और गुलाब जल फेस मास्क एलोवेरा जेल स्किन को ठंडक देने और हाइड्रेट करने में बेहद असरदार है। यह सनबर्न और जलन से राहत दिलाता है। वहीं गुलाब जल स्किन को टोन करता है और ताजगी देता है। यह फेस मास्क संवेदनशील त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद है। एलोवेरा और गुलाब जल फेस मास्क कैसे बनाएं 1. इसे बनाने के लिए आप 2 चम्मच एलोवेरा जेल में 1 चम्मच गुलाब जल मिला लें। 2. कुछ देर बाद इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 20 मिनट तक छोड़ दें और साफ पानी से धो लें। 3. बेसन और नींबू फेस मास्क बेसन एक नेचुरल एक्सफोलिएटर है, जो डेड स्किन सेल्स को हटाता है। नींबू में मौजूद विटामिन सी स्किन को ब्राइट करने और टैनिंग दूर करने में मदद करता है। यह फेस मास्क स्किन को डीप क्लीनिंग के साथ-साथ ऑयली स्किन की समस्याओं से भी छुटकारा दिलाता है।

हॉट या कोल्ड कॉफी, आपकी हेल्थ के लिए कौन सी है बेहतर?

कॉफी दुनियाभर में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाली ड्रिंक में से एक है. कुछ लोग सुबह की शुरुआत बिना एक कप गर्मागर्म कॉफी के नहीं कर सकते, तो वहीं कुछ लोग ठंडी और रिफ्रेशिंग कोल्ड कॉफी को ज्यादा पसंद करते हैं. लेकिन सवाल ये उठता है कि हॉट कॉफी और कोल्ड कॉफी में से कौन-सी हेल्थ के लिए ज्यादा फायदेमंद है?

क्या दोनों के न्यूट्रिशनल वैल्यू और असर समान होते हैं, या फिर किसी एक का हेल्थ पर ज्यादा पॉजिटिव असर पड़ता है? कॉफी में कैफीन, एंटीऑक्सीडेंट्स और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो न केवल आपको एनर्जेटिक बनाए रखते हैं, बल्कि कई हेल्थ बेनिफिट्स भी देते हैं. हालांकि, कॉफी का असर इस बात पर डिपेंड करता है कि आप इसे किस तरीके में पीते हैं, गर्म या ठंडा. आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे की आपकी सेहत के लिए दोनों में से कौन सी कॉफी फायदेमंद है?

हॉट कॉफी के फायदे: हॉट कॉफी पीने के कई फायदे हैं. हॉट कॉफी को ठंड के मौसम में ज्यादा पसंद किया जाता है. क्योंकि इसके सेवन से शरीर में गर्मी बनी रहती हैं. साथ ही हॉट कॉफी में ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्यूनिटी बढ़ाने और शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं. हॉट कॉफी में मौजूद कैफीन ब्रेन के लिए भी अच्छी होती है, जिससे ब्रेन फंक्शन तेज होता है और आपका मूड स्विंग नहीं होते. इसके साथ ही ये मेटाबॉलिज्म को तेज करती है, पाचन को दुरुस्त करती है और हेल्थ को बेहतर बनाती है.

कोल्ड कॉफी के फायदे: वहीं, कोल्ड कॉफी की बात करें तो इसके भी अपने कई फायदे हैं. लोग इसे गर्मियों में पीना काफी पसंद करते हैं. इसके सेवन से गर्मियों में शरीर में ठंडक बनी रहती है.कोल्ड कॉफी में भी कैफीन हॉट कॉफी जितना ही होता है. ऐसे में ये आपको गर्मियों में एक ताजगी देती है. इसके एसिडिटी कम करने और हाइड्रेशन बनाए रखने में मदद करती है. साथ ही ये शरीर को इंस्टेंट एनर्जी देती है और वजन घटाने में भी सहायक है.

कौन सी कॉफी है ज्यादा फायदेमंद?: वैसे तो इन दोनों ही कॉफी के अपने अलग-अलग फायदे हैं. लेकिन इनके फायदे आपकी सेहत और जरूरत पर डिपेंड करता है. अगर आप ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाना चाहते हैं तो आपको हॉट कॉफी पीनी चाहिए. वहीं अगर आपको वजन कम करना है और गर्मियों में तरोताजा रहना चाहते हैं तो कोल्ड कॉफी अच्छा ऑप्शन है.

गुलाब जल के फायदे और नुकसान: क्या है सही तरीका?

गुलाब जल एक नेचुरल टोनर है. स्किन के लिए यह बेहद फायदेमंद माना जाता है.यह प्राकृतिक तत्वों से भरपूर होता है, जो त्वचा को ताजगी और नमी प्रदान करता है. गुलाब जल का उपयोग स्किन को ताजगी देने, एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुणों के कारण सूजन कम करने और पिंपल्स व मुंहासों के इलाज में भी किया जाता है.लेकिन अगर आप जरूरत से ज्यादा मात्रा में गुलाब जल का इस्तेमाल करती हैं तो यह आपकी त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकता है. आइए जानते हैं इसके कुछ संभव साइड इफेक्ट्स के बारे में, जिससे स्किन को नुकसान हो सकता है.

स्किन ड्राई होनी: गुलाब जल में हल्के ऐस्ट्रिंजेंट गुण होते हैं, जो स्किन के नेचुरल ऑयल तेल को कम कर सकते हैं. हालांकि, यह गुण स्किन की अतिरिक्त गंदगी और तेल को हटाने में मदद करते हैं, लेकिन अगर गुलाब जल का ज्यादा उपयोग किया जाए, तो यह स्किन को काफी ड्राई कर सकता है. ड्राई स्किन होने के कारण खुजली और जलन भी हो सकती है.

एलर्जी होना: गुलाब जल को नेचुरल माना जाता है लेकिन कई बार इसका ज्यादा इस्तेमाल करना एलर्जी का कारण हो सकता है. एलर्जी के लक्षणों में स्किन पर लालिमा, रैशेज, खुजली और जलन हो सकती है. अगर आप गुलाब जल का इस्तेमाल पहली बार कर रही हैं तोइसे अपनी त्वचा के छोटे हिस्से पर टेस्ट करेंताकि एलर्जी या रिएक्शन के बारे में पता तल सके.

स्किन का पीएच लेवल बिगाड़ना: अगर आप ज्यादा मात्रा में गुलाब जल का प्रयोग करते हैं तो इससे स्किन का ph लेवल बिगड़ सकता है. इसके चलते स्किन में जलन, खुजली या फिर रैशेज हो सकते हैं. सेसेंटिव स्किन वाले लोगों को ज्यादा ध्यान रखना चाहिए.

कैसे करें इस्तेमाल: आप सुबह और रात के समय गुलाब जल को कॉटन की मदद से फेस पर लगा सकती हैं. इसके अलावा, आप इसे एलोवेरा जेल में मिलाकर भी लगा सकती हैं. हालांकि, दिन में इसे दो बार ही इस्तेमाल करना बेहतर होगा.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK